ज्येष्ठ कृष्णा - 30 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 11 ▪ अंक - 307 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 06-06-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 आर अश्विन की सीएसके परिवार में वापसी

6 एनडीए की जीत और भाजपा की हार का सबक

7 बाहर भी उसी तरह से सफाई रखें, जैसा आप घर में रखते हैं : पूजा हेगड़े

फर्स्ट टेक

गुजरात के कच्छ तट से 130 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त

गांधीधाम (गुजरात)/भाषा। गुजरात के कच्छ जिले में गांधीधाम शहर के पास एक खाड़ी क्षेत्र से कोकीन के 13 लावारिस पैकेट बरामद किए गए, जिनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 130 करोड़ रुपये है। एक पुलिस ने यह जानकारी दी। कच्छ-पूर्व प्रभाग के पुलिस अधीक्षक सागर बागमार ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि तस्करों ने पकड़े जाने से बचने के लिए मादक पदार्थ को समुद्र के किनारे छिपा दिया था। उन्होंने बताया कि आठ महीने में उसी खाड़ी क्षेत्र से यह मादक पदार्थ की दूसरी बड़ी बरामदगी है। उन्होंने कहा, ''आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) और विशेष अभियान समूह की एक संयुक्त टीम ने गांधीधाम शहर के पास मीठी रोहर गांव से गुजरने वाले क्रीक क्षेत्र से 130 करोड़ रुपये मूल्य के कोकीन के 13 लावारिस पैकेट बरामद किए।'

पाकिस्तान में सुरक्षा गार्ड ने टिकटॉकर को गोली मारी

कराची/एजेन्सी। पाकिस्तान में पंजाब प्रांत के नाजिमाबाद में मंगलवार की रात मोबाइल फोन की दुकान के सुरक्षा गार्ड ने एक टिकटॉकर को गोली मार दी जिससे उसकी मौत हो गयी। मृतक की पहचान उत्तरी नाजिमाबाद निवासी मुख्तियार अहमद के 24 वर्षीय बेटे साद अहमद के रूप में हुई है। सुरक्षा गार्ड ने उसे उस समय गोली मारी दी , जब वह साखी हसन के पास सरीना मोबाइल मार्केट के बाहर वीडियो बना रहा था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। जहां पुलिस ने देखा कि लोग एक घायल व्यक्ति के आसपास खड़े थे और सुरक्षा गार्ड गुल हसन को पकड़ रखा था। पुलिस ने बचाव दल की मदद से घायल व्यक्ति को तुरंत अब्बासी शहीद अस्पताल पहुंचाया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

टोरंटो जाने वाली उड़ान में बम रखे होने की धमकी से मचा हड़कंप

नई दिल्ली/भाषा। एयर कनाडा की टोरंटो जाने वाली उड़ान में उस समय हड़कंप मच गया जब यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को विमान में एक बम रखे होने की धमकी वाला ईमेल मिला। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि बाद में यह धमकी फर्जी निकली। उन्होंने बताया कि दिल्ली अंतरराष्ट्रीय विमानपत्तन लिमिटेड (डायल) के कार्यालय में मंगलवार रात 10 बजकर 50 मिनट पर एक ईमेल मिला कि दिल्ली से टोरंटो जाने वाली एयर कनाडा की उड़ान में एक बम रखा है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, ''मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए एक विस्तृत जांच की गयी और कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।''

06-06-2024	07-06-2024
सूर्यास्त 6:33 बजे	सूर्योदय 5:41 बजे

BSE	NSE
74,382.24	22,620.35
(+2,303.20)	(+735.85)

सोना	चांदी
7,466 रु.	96,500 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आसमानी आग

बहुत ही तेज गर्मी है,
बरसती आग ऊपर से।
धरा का फट रहा सीना,
तृषित सब नयन बंजर से।
सहम करके जहां सारा,
छुपा है धूप के डर से।
जरा सा सूर होवो सूर,
तो निकलें सभी घर से।।

राजग ने नरेन्द्र मोदी को सर्वसम्मति से अपना नेता चुना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने बुधवार को सर्वसम्मति से नरेन्द्र मोदी को अपना नेता चुन लिया। इसके साथ ही लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में देश की बागडोर संभालने की दिशा में मोदी ने एक और कदम आगे बढ़ा दिया।

लोकसभा चुनाव में सत्तारूढ़ गठबंधन को बहुमत मिलने के एक दिन बाद यहां सात लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री आवास में राजग के वरिष्ठ नेताओं की बैठक हुई। बैठक में शामिल सभी घटक दलों ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व पर विश्वास जताया और दावा किया कि उनके नेतृत्व में राजग सरकार भारत के गरीब, महिला, युवा, किसान, शोषित, वंचित व पीड़ित नागरिकों की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

बैठक में पारित प्रस्ताव में कहा गया, ''हम सभी को गर्व है कि 2024 का लोकसभा चुनाव राजग ने नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एकजुटता से लड़ा और जीता। हम सभी राजग के नेता नरेंद्र मोदी को सर्वसम्मति से अपना नेता चुनते हैं।'' प्रस्ताव में यह भी कहा गया कि भारत की विरासत को संरक्षित कर देश के सर्वांगीण विकास के लिये राजग सरकार भारत के जन-जन के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए कार्य करती रहेगी।

तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू, जनता दल (यूनाइटेड) के नेता और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, शिवसेना नेता एवं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान इस बैठक में शामिल हुए।

राजग कल नई सरकार बनाने का दावा पेश करेगा

मोदी के 08 जून की शाम को प्रधानमंत्री पद की पुनः शपथ लेने की संभावना

नई दिल्ली/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तथा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के संसदीय दल का नेता चुना जाएगा और उसी दिन शाम को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के समक्ष वह नई सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। सूत्रों के अनुसार शुक्रवार 07 जून को दोपहर दो बजे संविधान सभा (पुराने संसद भवन) के केन्द्रीय कक्ष में भाजपा सहित 15 दलों के सांसदों की बैठक में मोदी को नेता चुना जाएगा। इसके बाद मोदी भाजपा के अध्यक्ष और राजग में शामिल अन्य दलों के नेताओं के साथ राष्ट्रपति भवन जाएंगे और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के समक्ष नई सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। सूत्रों के अनुसार मोदी के शनिवार 08 जून की शाम को प्रधानमंत्री पद की पुनः शपथ लेने की संभावना है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने 17वीं लोकसभा भंग की

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल की सलाह पर बुधवार को 17वीं लोकसभा को भंग कर दिया। राष्ट्रपति भवन ने यह जानकारी दी। राष्ट्रपति भवन के अनुसार बुधवार को हुई बैठक में मंत्रिमंडल ने राष्ट्रपति को वर्तमान लोकसभा को तत्काल प्रभाव से भंग करने की सलाह दी थी। राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है, ''राष्ट्रपति ने पांच जून, 2024 को मंत्रिमंडल की सलाह को स्वीकार कर लिया है और संविधान के अनुच्छेद 85 के खंड (2) के उप-खंड (बी) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए 17वीं लोकसभा को भंग करने के आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए हैं।'' मौजूदा लोकसभा का कार्यकाल 16 जून को समाप्त होना था।

हम राजग में हैं : चंद्रबाबू नायडू

अमरावती/भाषा। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को कहा कि उनकी पार्टी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में है और वह आज दिन में नई दिल्ली में होने वाली राजग की बैठक में भाग लेंगे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आंध्र प्रदेश ने 30 वर्षों के बराबर नुकसान झेला है और उनका काम चीजों को सही करना है।

नायडू से एक संवाददाता सम्मेलन में जब उनकी दिल्ली यात्रा के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, हम राजग में हैं। मैं राजग की बैठक के लिए जा रहा हूं। समय के साथ अगर कुछ होगा तो हम आपको बताएंगे।

सरकार गठन पर राजग के कदम से सेंसेक्स 2,303 अंक चढ़ा

मुंबई/भाषा। चुनाव नतीजों के झटके से उबरते हुए स्थानीय शेयर बाजारों ने बुधवार को जोरदार वापसी की और बीएसई सेंसेक्स 2,300 अंक से अधिक की छलांग लगा गया। एनएसई निफ्टी भी 735 अंक के लाभ में रहा। लोकसभा चुनाव परिणाम उम्मीद के मुताबिक नहीं रहने के कारण शेयर बाजार में मंगलवार को चार साल में एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट आई थी। भाजपा की अगुवाई वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सहयोगियों की सरकार गठन को लेकर बातचीत के बाद बाजार चढ़ा है। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 2,303.19 अंक यानी 3.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 74,382.24 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 2,455.77 अंक तक चढ़ गया था। बैंक, वाहन तथा पेट्रोलियम कंपनियों के शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी रही। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 735.85 अंक यानी 3.36 प्रतिशत उछलकर 22,620.35 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 785.9 अंक तक चढ़ गया था। सेंसेक्स और निफ्टी में शामिल सभी शेयर लाभ में रहे।

केजरीवाल की अंतरिम जमानत याचिका खारिज, न्यायिक हिरासत 19 जून तक बढ़ी

नई दिल्ली/एजेन्सी। दिल्ली की एक विशेष अदालत ने कथित आबकारी नीति घोटाले से संबंधित धनशोधन के एक मामले के आरोपी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मेडिकल अधार पर सात दिन की अंतरिम जमानत याचिका ठुकराते हुए विशेष अदालत ने बुधवार को उनकी न्यायिक हिरासत 19 जून तक बढ़ा दी। राउज एवेन्यू स्थित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) मामलों से संबंधित कावेरी बावेजा की विशेष अदालत ने यह आदेश पारित किया। विशेष अदालत ने केजरीवाल के स्वास्थ्य की चिंताओं से संबंधित उनके अधिवक्ता के सवालों पर कहा कि मेडिकल जांच से संबंधित कुछ निर्देश दिए गए हैं। जरूरत के मुताबिक याचिकाकर्ता की अर्जी पर आगे भी विचार किया जाएगा। अदालत ने मुख्यमंत्री की न्यायिक हिरासत 19 जून तक बढ़ाने का भी आदेश दिया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर

प्रधानमंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की शुरुआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर बुधवार को बुद्ध जयंती पार्क में पौधा रोप कर पौधारोपण अभियान की शुरुआत की। अधिकारियों के मुताबिक, इस अभियान का नाम 'एक पेड़ मां के नाम' रखा गया है और इसके तहत देशभर में लाखों पेड़ लगाए जाएंगे।

मोदी ने पौधारोपण के बाद सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आज विश्व पर्यावरण दिवस पर मुझे 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान शुरू कर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। मैं देशवासियों के साथ ही दुनियाभर के लोगों से आग्रह करता हूं कि वे अपनी मां के साथ मिलकर या उनके नाम पर एक पेड़ जरूर लगाएं। यह आपकी तरफ से उन्हें एक अनमोल उपहार होगा।'' उन्होंने देशवासियों से इस अभियान से जुड़ी तस्वीर 'प्लांटफॉरमदर' और 'एक पेड़ मां के नाम' हैशटैग के साथ सोशल मीडिया पर साझा करने की अपील भी की। उन्होंने कहा, ''आप सभी को इस बात की बहुत खुशी होगी कि पिछले एक दशक में भारत ने अनेक सामूहिक प्रयास किए हैं जिससे देश भर में वन क्षेत्र में वृद्धि हुई है। यह सतत विकास की दिशा में हमारे प्रयासों के लिए बहुत अच्छा है।

मोदी सरकार की नीतियों के खिलाफ हमारी लड़ाई रुकेगी नहीं : इंडि गठबंधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। इंडि गठबंधन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को फासीवादी करार देते हुए कहा है कि उसकी नीतियां जन विरोधी है और गठबंधन उसके खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेगा।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को घटक दलों की बैठक के बाद यहां अपने आवास के बाहर पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी दलों के नेताओं ने बैठक में अपने विचार रखे और कहा कि संविधान की रक्षा तथा मोदी सरकार की फासीवादी नीतियों, बेरोजगारी तथा महंगाई के खिलाफ सभी दल मिलकर एक आवाज में अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि बैठक करीब दो घंटे चली जिसमें वर्तमान राजनीतिक माहौल पर विचार विमर्श किया गया। उन्होंने कहा कि बैठक में सभी नेताओं ने अपने विचार रखे और तय किया है कि जो भी जनता के मुद्दे हैं उन पर सभी नेता और सभी दल एक स्वर में अपनी बात रखेंगे।

खरगे कहा कि बैठक में शामिल नेताओं ने देश की जनता का इंडि गठबंधन को वोट देने के लिए आभार जताया और कहा कि जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनकी नीतियों के लिए करारा जवाब दिया है। यह जनादेश संविधान तथा लोकतंत्र को बचाने के लिए, महंगाई, बेरोजगारी, क्रॉनि कैपिटलिज्म तथा सरकार की फासीवादी नीतियों के खिलाफ है। उनका कहना था कि इंडि गठबंधन इसके विरुद्ध अपनी लड़ाई जारी रखेगा।

उन्होंने कहा कि इंडि गठबंधन ने देश की जनता से जो वादा किया है उन्हें पूरा किया जाएगा। उनका कहना था कि गठबंधन के नेताओं ने जो निर्णय लिया है जन भावनाओं की अनुकूल उस पर उचित समय पर उचित कदम उठाया जाएगा।

भारत ने आयरलैंड को आठ विकेट से हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/एजेन्सी। हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह की घातक गेंदबाजी के कप्तान रोहित शर्मा की (52) रनों की अर्धशतकीय तथा ऋषभ पंत के नाबाद (36) की पारियों के दम पर भारत ने बुधवार को टी-20 विश्वकप के आठवें मुकाबले में आयरलैंड को आठ विकेट से हरा दिया है।

रोहित शर्मा और विराट कोहली की सलामी जोड़ी ने 97 रनों के लक्ष्य को हासिल करने के लिए तेज शुरुआत की, इसी दौरान तीसरे ओवर की चौथी गेंद पर विराट कोहली (1) मार्क ऐडेयर ने आउट कर आयरलैंड को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद रोहित शर्मा और ऋषभ पंत ने अच्छी साझेदारी करते हुए टीम के स्कोर 76 रन तक पहुंचा था कि 10वें ओवर में रोहित शर्मा रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौट गये। रोहित ने 37 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के लगाते हुये 52 रनों की पारी खोली। सूर्यकुमार यादव दो रन बनाकर आउट हुये। ऋषभ पंत ने 26 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाते हुये नाबाद 36 रन बनाये। भारत ने 12.2 ओवर में दो विकेट पर 97 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया। आयरलैंड की ओर से मार्क ऐडेयर और बेन व्हाइट ने एक-एक विकेट लिये।

इससे पहले भारतीय गेंदबाजों ने आयरलैंड की पूरी टीम को 96 के स्कोर समेट दिया था।

आज यहां नैसो काउंटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे ग्रुप ए के मुकाबले में भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। तीसरे ओवर की पहली गेंदबाज पर अर्शदीप सिंह ने आयरलैंड के कप्तान पॉल स्टर्लिंग (2) को आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। इसी ओवर में अर्शदीप ने एंडी बैलबर्नी (5) को बोल्ड कर अपने खाते में एक और विकेट का इजाफा कर लिया।

भाजपा के बारे में गलतबयानी की वजह से कुछ सीट पर अन्नाद्रमुक का प्रदर्शन खराब रहा : अन्नामलाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने बुधवार को पूर्व सहयोगी अन्नाद्रमुक पर कटाक्ष करते हुए दावा किया कि हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में उसका तीसरे स्थान पर आना और कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में भगवा पार्टी से भी पीछे रहना ''भाजपा के बारे में विनम्रता से बात नहीं करने'' का परिणाम है।

उन्होंने कहा कि भाजपा भले ही एक भी सीट नहीं जीत पाई, लेकिन उसका मत प्रतिशत बढ़ा है।

अन्नमलाई ने कहा कि पार्टी 2026 के विधानसभा चुनाव पर ध्यान केंद्रित करेगी। उन्होंने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमें कोयंबटूर में ऐतिहासिक रूप से वोट मिले हैं और यह एक उपलब्धि है। अन्नाद्रमुक किसी तरह अपनी जमानत बचाने में कामयाब रही...आप जानते हैं कि कोयंबटूर अन्नाद्रमुक का गढ़ है और वहां से उसके विधायक हैं।

भाजपा और अन्नाद्रमुक को मिले वोटों के बारे में पूछे गए एक सवाल पर उन्होंने कहा, यदि आप राजग और अन्नाद्रमुक नीत मोर्चे के वोटों को जोड़ दें तो यह लगभग 30 लोकसभा क्षेत्रों में द्रमुक और सहयोगी दलों के वोटों से अधिक होगा, लेकिन यह कोई तर्क नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि अन्नाद्रमुक का तीसरे स्थान पर आना और कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में भगवा पार्टी से भी पीछे रहना ''भाजपा के बारे में विनम्रता से बात नहीं करने'' का परिणाम है।

सेबी ने सीधे ग्राहकों के खातों में प्रतिभूति भुगतान को अनिवार्य किया

नई दिल्ली/भाषा। बाजार नियामक सेबी ने बुधवार को ग्राहकों के खाते में प्रतिभूतियों के सीधे भुगतान की प्रक्रिया को अनिवार्य बनाने का निर्णय लिया। परिचालन दक्षता बढ़ाने और ग्राहकों की प्रतिभूतियों के जोखिम को कम करने के लिए यह कदम उठाया गया है।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक परिपत्र में कहा कि यह 14 अक्टूबर से प्रभावी होगा। वर्तमान में, समाशोधन निगम प्रतिभूतियों के भुगतान को ब्रोकर के खाते में जमा करता है। उसके बाद इसे संबंधित ग्राहक के डीमैट खातों में जमा किया जाता है। सेबी ने शेयर बाजारों, समाशोधन निगम और डिपॉजिटरी के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद फैसला किया है, ''भुगतान के लिए प्रतिभूतियां समाशोधन निगम सीधे संबंधित ग्राहक के डीमैट खाते में जमा करेगा।'' इसके अलावा, समाशोधन निगमों को मार्जिन ट्रेडिंग सुविधा के तहत बिना भुगतान वाली प्रतिभूतियों और वित्तपोषित शेयरों की पहचान करने के लिए कारोबारी सदस्य या समाशोधन सदस्यों (सीएम) के लिए एक व्यवस्था प्रदान करनी चाहिए। सेबी ने सुझाव दिया है कि 'पोजिशन' के स्तर पर अगर कोई कमी रहती है तो कारोबारी सदस्य या समाशोधन सदस्यों को नीलामी की प्रक्रिया के माध्यम से इसका निपटान करना चाहिए।

अब बहुत सोच-समझकर मुसलमानों को चुनाव में मौका देगी बसपा : मायावती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने लोकसभा चुनाव में अपने दल के खराब प्रदर्शन की समीक्षा का इरादा जाहिर किया और कहा कि विभिन्न चुनावों में उचित प्रतिनिधित्व देने के बावजूद मुस्लिम समाज बसपा को ठीक से नहीं समझ पा रहा है लिहाजा पार्टी भविष्य में होने वाले चुनावों में बहुत सोच समझ कर ही मुसलमानों को मौका देगी।

मायावती की पार्टी मंगलवार को घोषित लोकसभा चुनाव के परिणाम में खाता नहीं खोल सकी। इससे पहले 2014 के लोकसभा चुनाव में भी उसे एक भी सीट नहीं मिली थी। मायावती ने बुधवार को एक विस्तृत बयान जारी कर चुनाव नतीजे पर प्रतिक्रिया जाहिर की। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी चुनाव परिणाम का हर स्तर पर गहन विश्लेषण करेगी और दल तथा उसके

अभियान के हित में जो भी जरूरी होगा, उसे लेकर ठोस कदम उठाएगी। उन्होंने पार्टी का समर्थन करने के लिए दलित वर्ग में, खासकर जाटव समाज का आभार प्रकट किया मगर मुस्लिम समाज के प्रति नाराजगी भी जाहिर की। मायावती ने कहा, बहुजन समाज पार्टी का खास अंग मुस्लिम समाज जो पिछले कई चुनावों में व इस बार भी लोकसभा चुनाव में उचित प्रतिनिधित्व देने के बावजूद बसपा को ठीक से नहीं समझ पा रहा है तो अब ऐसी स्थिति में आगे इनको काफी सोच समझ के ही चुनाव में पार्टी द्वारा मौका दिया जायेगा ताकि पार्टी को भविष्य में इस बार का तरह नुकसान ना हो। गौरतलब है कि इस साल लोकसभा चुनाव में बसपा ने सबसे ज्यादा 35 मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट दिए थे। लोकसभा चुनाव के मंगलवार को घोषित नतीजे में उत्तर प्रदेश में सपा ने सबसे ज्यादा 37 सीटें जीतीं। उसकी गठबंधन सहयोगी कांग्रेस को भी छह सीटें मिलीं। मुस्लिम समाज परंपरागत रूप से सपा का मतदाता माना जाता है और माना जा रहा है कि इस बार भी मुस्लिम समाज का ज्यादातर वोट सपा और कांग्रेस को ही मिला है। मायावती ने कहा, लोकसभा चुनाव का जो भी व जैसा भी नतीजा आया है वह लोगों के सामने है, और उन्हें ही अब देश के लोकतंत्र, संविधान व देशहित आदि के बारे में सोचना और फैसला करना है कि यह जो चुनाव परिणाम आया है उसका आगे उन सबके जीवन पर क्या असर पड़ने वाला है तथा उनका अपना भविष्य कितना शान्त, समृद्ध व सुरक्षित रह पाएगा? मायावती ने लोकसभा चुनाव भीषण गर्मी में कराए जाने पर भी ऐतराज जताते हुए कहा कि उनकी पार्टी शुरू से ही चुनाव आयोग से मांग करती रही है कि चुनाव बहुत लंबा नहीं खींचना चाहिए।

सरकार हवाई अड्डों के नियमों में संशोधन करने पर विचार कर रही

नई दिल्ली/भाषा। नागरिक उड्डयन मंत्रालय हवाई संपर्क को बढ़ावा देने, अधिक हवाई पट्टियां विकसित करने तथा बड़े और छोटे हवाई अड्डों के लिए नियमों में संशोधन करने पर विचार कर रहा है। बुधवार को एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते नागरिक उड्डयन बाजारों में से एक है, जहां घरेलू हवाई यातायात बढ़ रहा है तथा एयरलाइन अपने बेड़े के साथ-साथ परिचालन का भी विस्तार कर रही हैं।

नागरिक उड्डयन सचिव वुमलुनमंग वुलनाम ने कहा कि पिछले दस वर्षों में देश में हवाई अड्डों की संख्या 74 से बढ़कर 157 हो गई है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय ने देश में 453 हवाई पट्टियों की पूरी सूची की समीक्षा की है और उनमें से लगभग 157 चालू हैं। उन्होंने कहा कि ब्राउनफील्ड परियोजनाओं के रूप में और अधिक हवाई पट्टियों का विकास किया जाएगा। साथ ही नागरिक विमान संचालन के लिए और अधिक रक्षा हवाई क्षेत्रों को संयुक्त रूप से विकसित करने का प्रयास किया जाएगा।

लोकसभा चुनाव के नतीजे दिखाते हैं कि भाजपा को हराया जा सकता है : उद्धव ठाकरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बुधवार को चुनाव जीतने वाले अपनी पार्टी के उम्मीदवारों से मुलाकात करने पर कहा कि लोकसभा चुनाव के नतीजों ने दिखा दिया है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हराया जा सकता है।

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे ने चुनाव नतीजों की घोषणा के एक दिन बाद बुधवार को यहां अपने आवास पर शिवसेना (यूबीटी) के विजयी उम्मीदवारों राजाभाऊ प्रकाश वाजे (नासिक सीट) और संजय दीना पाटिल (मुंबई उत्तर पूर्व सीट) से मुलाकात की।

ठाकरे ने कहा, ''चुनावों ने दिखा दिया है कि भारतीय जनता पार्टी को हराया जा सकता है। यह भ्रम (कि उसे हराया नहीं जा सकता है) टूट गया है।'' ठाकरे ने मंगलवार को मुंबई दक्षिण सीट से अपनी पार्टी

के विजयी उम्मीदवार अरविंद सावंत और मुंबई दक्षिण मध्य सीट से विजेता अनिल देसाई से मुलाकात की।

लोकसभा की 543 सीटों के लिए हुए चुनाव में भाजपा ने 240 सीटें जीती है और वह बहुमत के आंकड़े से पीछे रह गयी है।

भारतीय जनता पार्टी अपने सहयोगी दलों के साथ सरकार बनाने के लिए तैयार है।

शिवसेना (यूबीटी) ने लोकसभा में नौ सीटें जीती है।

मुंबई के बाहर के पार्टी के सभी नवनिर्वाचित नेताओं के बुधवार को ठाकरे से मुलाकात करने की संभावना है।

जाम कम करने के लिए शिमला में जाखू हिल में सुरंग बनाई जाएगी : सुक्खू

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बुधवार को कहा कि जाम खत्म करने के लिए शिमला के जाखू हिल में दो लेन की 890 मीटर लंबी सुरंग बनाई जाएगी। यहां लोक निर्माण विभाग की बैठक की अध्यक्षता करते हुए सुक्खू ने कहा कि सुरंग का निर्माण नव-बहार से इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज के पास सर्कुलर रोड तक 295 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। एक बयान के अनुसार, 100 करोड़ रुपये पहले ही जारी किए जा चुके हैं और निविदा प्रक्रिया जून के अंत तक शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिमला शहर की समस्याओं के समाधान के लिए गंभीर प्रयास कर रही है। उन्होंने विभाग को सर्कुलर रोड पर सभी बाधाओं को दूर करने के निर्देश दिए ताकि वाहनों का सुचारू आवागमन सुनिश्चित हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सर्कुलर रोड को चौड़ा करने के लिए 122 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त 3,000 वाहनों के लिए पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी।

पोर्श कार दुर्घटना मामले में पुलिस ने कहा- नाबालिग चालक के रक्त के नमूने उसकी मां से बदले

पुणे/भाषा। फॉरेंसिक प्रयोगशाला की एक रिपोर्ट में पुष्टि हुई है कि पोर्श कार दुर्घटना मामले के आरोपी 17 वर्षीय चालक के रक्त के नमूनों को बदलने के लिए उसकी मां के खून का इस्तेमाल किया गया था। पुणे पुलिस ने बुधवार को एक अदालत में यह जानकारी दी। सत्र अदालत ने पुलिस के अनुरोध पर आरोपी नाबालिग के माता-पिता की पुलिस हिरासत 10 जून तक बढ़ा दी है। वहीं, पुलिस के आवेदन पर किशोर न्याय बोर्ड ने आरोपी नाबालिग की संप्रेक्षण गृह हिरासत 12 जून तक बढ़ा दी है।

हादसे के बाद नाबालिग के रक्त नमूनों को कथित तौर पर बदल दिया गया था ताकि यह प्रदर्शित किया जा सकते कि दुर्घटना के वक्त उसने शराब का सेवन नहीं किया था। रक्त नमूनों में हेरफेर का मामला सामने आने के बाद ससून अस्पताल के दो चिकित्सकों और एक कर्मचारी को गिरफ्तार किया था। आरोप है चिकित्सकों में से एक नाबालिग के पिता के संपर्क में था। आरोपी नाबालिग की मां को साजिश के आरोप में एक जून को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने नाबालिग के माता-पिता, चिकित्सकों और अस्पताल के कर्मचारी को पुलिस हिरासत खत्म होने के बाद अदालत में पेश किया।

कृषि शोध एवं विकास पर एक रुपये से निवेश से 13 रुपये का रिटर्न मिलता है : एनएएएस प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी (एनएएएस) के अध्यक्ष हिमांशु पाठक ने भारत की कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा प्रणाली में आमूलचूल बदलाव की आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने यह बात ऐसे समय कही है जबकि नई सरकार सत्ता संभालने वाली है। उनका यह आह्वान उच्च खेती लागत, कम उत्पादकता और जलवायु परिवर्तन प्रभावों जैसी चुनौतियों के बीच आया है।

पाठक ने एनएएएस स्थापना दिवस कार्यक्रम में कहा, ''जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, इन चुनौतियों का समाधान करने की आवश्यकता है। देश में कृषि अनुसंधान और शिक्षा के तरीके में बदलाव की आवश्यकता है।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय कृषि का दृष्टिकोण – ''विश्वस्तर पर प्रतिस्पर्धी और टिकाऊ खेती'' का होना चाहिए। कृषि अनुसंधान निवेश पर मिलने वाले पर्याप्त लाभ पर पाठक ने कहा, ''प्रत्येक एक रुपये के निवेश पर, लाभ प्राप्ति 13 रुपये की है। अनुसंधान एवं विकास में निवेश लाभदायक है। पशुधन क्षेत्र में लाभ वापसी और भी अधिक है।'' एनएएएस के अध्यक्ष जो भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक के रूप में भी कार्य करते हैं, ने कृषि क्षेत्र में कई बाधाओं को रेखांकित किया। इनमें सीमित विविधीकरण, कम मूल्य संवर्धन, मृदा का क्षरण, प्राकृतिक संसाधनों की कमी और कीट और रोग संबंधी समस्याओं में वृद्धि शामिल है, जो अस्थिर बाजारों और जलवायु परिवर्तन से और भी बढ़ गई है। पाठक ने कहा कि इसके चलते सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कृषि का हिस्सा घटकर 19.2 प्रतिशत रह गया है और इस क्षेत्र पर निर्भर लोगों की संख्या कम हो गई है।

ओडिशा के मुख्यमंत्री पद से नवीन पटनायक ने इस्तीफा दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने ओडिशा में अपने 24 साल के शासन का अंत करते हुए राज्य विधानसभा चुनावों में पार्टी की हार के बाद बुधवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया।

सूत्रों ने बताया कि पटनायक ने राज भवन में राज्यपाल रघुबर दास को अपना इस्तीफा पत्र सौंपा।

नवीन पटनायक के आवास पर बीजद के कई नेता एकत्रित हुए थे लेकिन वह अपना इस्तीफा देने अकेले ही राज्यपाल रघुबर दास के आवास गए।

बीजद अध्यक्ष ने बाहर इंतजार कर रहे पत्रकारों की ओर हाथ हिलाकर उनका अभिवादन किया और अपना इस्तीफा पत्र सौंपने के बाद राज भवन से निकल गए।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने ओडिशा में 147 विधानसभा सीटों में से 78 सीटें जीतकर सत्ता पर कब्जा जमा लिया है जबकि बीजद केवल 51 सीटें जीत पायी।

कांग्रेस ने 14 सीट और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने एक सीट जीती है जबकि तीन निर्दलीय उम्मीदवार भी विजयी साबित हुए। नतीजों की घोषणा मंगलवार को की गयी।

पटनायक ने पहली बार पांच मार्च 2000 को ओडिशा के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी।

सरकार को जनादेश का सम्मान करना चाहिए, इंजीनियर राशिद को रिहा करे : महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को कहा कि केंद्र को जनादेश का सम्मान करना चाहिए और लोकसभा चुनाव में जीतने के बाद शेख अब्दुल राशिद उर्फ इंजीनियर राशिद को रिहा किया जाना चाहिए। आतंकवाद के वित्तपोषण के मामले में जेल में बंद इंजीनियर राशिद ने जम्मू-कश्मीर की बारामूला लोकसभा सीट से भारी अंतर से जीत दर्ज की है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला को दो लाख से अधिक मतों के अंतर से हराया है। महबूबा मुफ्ती ने 'एक्स' पर कहा, ''मियां अल्ताफ, आगा रुहुल्लाह, इंजीनियर राशिद और हनीफा जान को संसदीय चुनाव जीतने के लिए हार्दिक बधाई। भारत सरकार को जनादेश का सम्मान करना चाहिए और इंजीनियर राशिद को रिहा करना चाहिए।''

दिल्ली के लाजपत नगर में आंखों के एक अस्पताल में भीषण आग लगी, कोई हताहत नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दक्षिण पूर्व दिल्ली के लाजपत नगर इलाके में बुधवार को आंखों के एक निजी अस्पताल में भीषण आग लग गयी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने बताया कि अभी तक किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है।

पुलिस ने बताया कि ऐसा संदेह है कि दो मंजिला इमारत के भूतल पर शॉर्ट सर्किट के कारण एक एयर कंडीशनर में आग लगी। सोशल मीडिया पर अस्पताल में आग लगने के बारे में कई वीडियो प्रसारित हो रहे हैं। एक वीडियो में अस्पताल की इमारत से आग की लपटें निकलते हुए और आसमान में काले धुएं का गुबार उठते हुए देखा गया।

अधिकारियों ने बताया कि 'आई7 चौधरी आई सेंटर' में आग लगने के बारे में सूचना सुबह करीब साढ़े 11 बजे मिली और घटनास्थल पर दमकल की 12 गाड़ियों को भेजा गया है। बाद में और पांच गाड़ियों को भेजा गया। अधिकारियों के अनुसार, आग लगने के तुरंत बाद अस्पताल में मौजूद लोगों को बाहर निकाला गया।

उप मुख्य दमकल अधिकारी एस के दुआ ने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए दमकल की कुल 20 गाड़ियों को भेजा गया और दोपहर एक बजकर 10 मिनट पर आग पर काबू पा लिया गया।

उन्होंने बताया कि अस्पताल में लगी आग की लपटें उससे सटी एक इमारत की तीसरी मंजिल पर स्थित एक भोजनालय तक फैल गयीं लेकिन दमकलकर्मियों ने जल्द ही उस पर काबू पा लिया। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल को ठंडा करने की प्रक्रिया जारी है। अस्पताल की दोनों मंजिल पर सभी मशीनें और फर्नीचर जलकर खाक हो गए।

फडणवीस ने उपमुख्यमंत्री पद से इस्तीफे की पेशकश की, भाजपा नेतृत्व से करेंगे मुलाकात

मुंबई/भाषा। संसदीय चुनाव में महाराष्ट्र में भाजपा के लोकसभा सदस्यों की संख्या 23 से नौ पर आने के बाद उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को पद से इस्तीफा देने की पेशकश की ताकि वह विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी के कामकाज पर ध्यान केंद्रित कर सकें। उन्होंने कहा, मैं महाराष्ट्र के नतीजों की जिम्मेदारी लेता हूं। मैं पार्टी नेतृत्व से अनुरोध करता हूं कि मुझे सरकार में जिम्मेदारी से मुक्त किया जाए ताकि मैं आगामी विधानसभा चुनावों में पार्टी के लिए पूरा समय काम कर सकूं।

अब से छह महीने से भी कम समय में राज्य में विधानसभा चुनाव होने हैं। उन्होंने कहा, इस परिणाम की पूरी जिम्मेदारी मेरी है। मैं मानता हूं कि इस सबमें कहीं न कहीं मेरी कमी रही है और मैं इस कमी को दूर करने का पूरा प्रयास करूंगा। फडणवीस ने कहा, महाराष्ट्र में भाजपा को जो झटका लगा है, उसकी पूरी जिम्मेदारी मैं लेता हूं। अब मैं विधानसभा चुनावों पर ध्यान केंद्रित करना चाहता हूं और इसीलिए मैं भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से अनुरोध करने जा रहा हूं कि मुझे सरकार में मेरी जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया जाए और पार्टी में पूर्णकालिक रूप से काम करने का मौका दिया जाए। उन्होंने कहा, मैं जल्द ही भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से मिलने जा रहा हूं और वे जो भी कहेंगे, मैं वही करूंगा।

शरद पवार ने दी अजित पवार को मात : आठ सीट जीतने वाली राकांपा (एसपी) का स्ट्राइक रेट रहा 80%

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। वरिष्ठ नेता शरद पवार जमीनी स्तर पर मूल राकांपा कार्यकर्ताओं का समर्थन बरकरार रखने में सफल रहे हैं और उनके नेतृत्व वाली राकांपा (एसपी) ने महाराष्ट्र में जिन 10 लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ा, उनमें से आठ पर जीत हासिल की और पार्टी का स्ट्राइक रेट 80 प्रतिशत रहा। इसके विपरीत, उनके भतीजे और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने चार सीट पर चुनाव लड़ा और मात्र एक पर ही जीत हासिल की, तथा उसका स्ट्राइक रेट 25 प्रतिशत रहा।

दिलचस्प बात यह है कि 2019 के चुनाव में महाराष्ट्र में केवल एक लोकसभा सीट जीतने वाली कांग्रेस ने शानदार वापसी करते हुए 17 में से 13 सीट पर जीत हासिल की और पार्टी का स्ट्राइक रेट 75 प्रतिशत रहा। उल्लेखनीय है कि राकांपा (एसपी) ने अधिकांश सीटें पश्चिमी महाराष्ट्र से जीतीं हैं, जो पवार का पारंपरिक गढ़ है। अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा केवल रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र में विजयी हुई, जहां पार्टी की राज्य इकाई के अध्यक्ष सुनील तटकरे ने शिवसेना (यूबीटी) के अपने प्रतिद्वंद्वी अनंत गीते को हराया। राकांपा (एसपी) द्वारा जीती गई आठ सीटों में बारामती भी शामिल है, जहां शरद पवार की बेटी और मौजूदा सांसद सुप्रिया सुले और अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ। भाजपा ने 28 सीट पर चुनाव लड़ते हुए केवल नौ पर जीत हासिल की और पार्टी का स्ट्राइक रेट 31 प्रतिशत रहा।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में भाजपा की सहयोगी शिवसेना ने 15 सीटों पर चुनाव लड़ा और सात सीट पर जीत हासिल की और उसका स्ट्राइक रेट 45 प्रतिशत रहा।

उल्लेखनीय है कि सांगली निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार विशाल पाटिल ने जीत हासिल की है, जो कांग्रेसी हैं।

ईशनिंदा वाली पोस्ट को लेकर जीएमसी-श्रीनगर में विरोध प्रदर्शन

श्रीनगर/भाषा। पैगंबर मोहम्मद के बारे में एक गैर-मेडिकल छात्र की पोस्ट को लेकर यहां श्रीनगर राजकीय मेडिकल कॉलेज में विरोध प्रदर्शन हुआ। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि दर्जनों छात्रों और कई जूनियर डॉक्टरों ने मेडिकल छात्र के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, जिसने कथित तौर पर मैसेजिंग ऐप पर ईशनिंदा वाली तस्वीर लगाई थी। एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि उन्होंने गैर-स्थानीय छात्र को आपत्तिजनक तस्वीर हटाने के लिए तीन घंटे का समय दिया था, लेकिन उसने ऐसा करने से इनकार कर दिया।

विस्तारा सुधार करने में सक्षम : सीईओ विनोद कन्नन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विस्तारा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विनोद कन्नन ने बुधवार को कहा कि कंपनी सुधार करने में सक्षम है। एयरलाइन की एयर इंडिया के साथ विलय की प्रक्रिया जारी है। हाल ही में पायलट संबंधी समस्याओं के कारण उसे काफी व्यवधानों का सामना करना पड़ा था और अब परिचालन स्थिर हो रहा है। राष्ट्रीय राजधानी में 'सीएपीए इंडिया एविएशन समिट' 2024 के एक

सत्र में कन्नन ने कहा कि इस साल के अंत तक विलय पूरा होने की उम्मीद है। विलय की प्रक्रिया शुरू हो गई है। कन्नन ने कहा कि यह विलय वृद्धि और लागत में कटौती के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत एक अद्वितीय बाजार है और यहां सामान्यत: पूर्ण सेवा परिचालकों के लिए पर्याप्त जगह है। उन्होंने कहा कि विस्तारा सुधार करने में सक्षम है। विलय के बारे में कन्नन ने कहा कि परिचालन पक्ष से इतर कर्मचारियों के लिए लोगों की नियुक्ति की प्रक्रिया महीने के अंत या अगले माह तक पूरी हो जाने की उम्मीद है।

कांग्रेस ने उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के इस्तीफे की पेशकश को महज 'नाटक' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। कांग्रेस ने बुधवार को कहा कि लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को महाराष्ट्र में लगे करारे झटके के बाद राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा इस्तीफे की पेशकश करना कुछ नहीं बल्कि 'नाटक' है।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता अतुल लोंढे ने कहा कि फडणवीस 'असंवैधानिक सरकार' चला रहे हैं और सार्वजनिक तौर पर कह चुके हैं कि वे दो दलों को तोड़कर सत्ता में वापस आए हैं। लोंढे ने एक बयान में कहा, उनकी (फडणवीस की) इस्तीफा देने की इच्छा सिर्फ नाटक है। आपने (फडणवीस ने) सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल कर शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अलग हुए धड़ों को (मूल) पार्टी का (चुनाव) चिन्ह और नाम दे दिया। लेकिन अब लोगों ने अपनी राय जाहिर कर दी है कि ये दोनों दल किसके हैं। उन्होंने पूछा, क्या (प्रधानमंत्री) मोदी इस्तीफा देंगे? राकांपा (शप) के प्रवक्ता महेश तपासे ने दावा किया कि फडणवीस ने इस्तीफे की पेशकश इसलिए की है क्योंकि उनका इरादा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री अजित पवार को पद छोड़ने पर मजबूर करने का है।

तपासे ने कहा कि शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार की राकांपा के वोट भाजपा को हस्तांतरित नहीं हुए। उन्होंने कहा, भाजपा शरद पवार को राजनीतिक रूप से नष्ट करना चाहती थी और वह खुद औंधे मुंह गिर गई। राकांपा (शरदचंद्र पवार) के दूसरे प्रवक्ता क्लाइड क्रास्टो ने भाजपा का उपहास उड़ाते हुए कहा सूत्र बताते हैं कि श्री देवेंद्र फडणवीस अपनी राजनीति के युग को खत्म करने की योजना बना रहे हैं। कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा कि फडणवीस बहुत ही सक्षम नेता हैं जो 2022 में भाजपा-शिवसेना सरकार बनने पर मुख्यमंत्री बनना चाहते थे, लेकिन उपमुख्यमंत्री बनाए गए। विधानसभा में विपक्ष के नेता वडेट्टीवार ने कहा, मौजूदा सरकार के कुकर्मों की वजह से ही हमें लोकसभा में अच्छी सीट मिली हैं। उन्हें अपना प्रदर्शन जारी रखना चाहिए ताकि हम विधानसभा चुनाव भी जीत सकें। फडणवीस को मंत्री बने रहना चाहिए। लोस चुनाव के घोषित हुए नतीजों में महाराष्ट्र में भाजपा व उसके सहयोगियों को 17 सीट मिलीं जबकि भाजपा की खुद की सीट की संख्या 2019 के मुकाबले आधी से भी कम रह गई। दूसरी ओर विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के सहयोगियों ने 48 में से 30 सीट जीतीं।

लोकसभा चुनाव में जीत हासिल करने के बाद त्रिशूर में सुरेश गोपी का भव्य स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिशूर (केरल)। लोकसभा चुनाव में त्रिशूर सीट से ऐतिहासिक जीत हासिल करने वाले भाजपा नेता और अभिनेता सुरेश गोपी जब यहां पहुंचे, तो पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक खुशी से झूम उठे। परिणामों की घोषणा के समय तिरुवनंतपुरम में मौजूद रहे गोपी का यहां पहुंचने पर पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने भव्य स्वागत किया और सड़कों पर जश्न का माहौल था। पार्टी कार्यकर्ताओं तथा समर्थकों ने यहां पहुंचने पर ढोल-नगाड़ों, आतिशबाजी और जोशपूर्ण नृत्य के साथ अभिनेता का स्वागत किया।

यहां पहुंचने पर भाजपा नेताओं वी. मुरलीधरन और राजीव चंद्रशेखर तथा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के. सुरेन्द्रन ने गोपी का स्वागत किया।

इसके बाद उन्होंने एक खुले वाहन में रोड शो शुरू किया, जिसके आगे कार्यकर्ता मोटरसाइकिल, कार और ऑटो रिक्शा पर पार्टी के झंडे लेकर चल रहे थे। रोड शो के पूरे रास्ते में बड़ी संख्या में लोग उनका स्वागत करने के लिए जुटे रहे। कई पार्टी कार्यकर्ताओं ने मीडिया से कहा कि राज्य में कमल खिल गया है।

एक और समर्थक ने दावा किया, सुरेश गोपी के जरिए केरल में यह खिलता रहेगा।

गोपी ने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के नेता वी. एस. सुनील कुमार को रोमांचक मुकाबले में हरा दिया। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, गोपी को कुल 4,12,338 वोट मिले, जबकि सुनील कुमार को 3,37,652 वोट मिले।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के. मुरलीधरन 3,28,124 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। केरल की त्रिशूर लोकसभा सीट जीतकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए इतिहास रचने वाले अभिनेता सुरेश गोपी को फिल्म जगत के कई लोगों ने सोशल मीडिया के जरिए बधाई दी। ममूटी और मोहनलाल सहित मलयालम फिल्म जगत के कई सितारों ने गोपी को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर जीत पर बधाई दी। ममूटी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, प्रिय सुरेश, आपकी जीत पर हार्दिक बधाई।'' दिग्गज अभिनेता मोहनलाल ने अपने बधाई संदेश में कहा, बधाई हो प्रिय सुरेश! हास्य कलाकार टिनी टॉम ने यहां नेदुम्बस्सेरी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गोपी का भगवा रंग की शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया और उन्हें गले लगाकर जीत पर बधाई भी दी।

उन्नी मुकुंदन ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, ''बधाई सुरेश एट्टा।'' फिल्म निर्माता एंटनी पेरुम्बवूर ने भी गोपी को बधाई दी। अभिनेत्री श्वेता मेनन और फिल्म निर्माता लिस्टिन स्टीफन ने भी गोपी को बधाई दी। निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, भाजपा उम्मीदवार सुरेश गोपी ने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के उम्मीदवार वी एस सुनील कुमार को एक दिलचस्प मुकाबले में 74,686 मतों के अंतर से हराया। गोपी को कुल 4,12,338 वोट मिले जबकि सुनील कुमार को 3,37,652 मत मिले। वहीं, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं सांसद के. मुरलीधरन 3,28,124 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

केरल में सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नीत वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) को करारा झटका देते हुए कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने केरल में लोकसभा की 20 में से 18 सीटें जीत कर एक तरह से विरोधियों का सफाया कर दिया। वहीं, भाजपा ने पहली बार राज्य में लोकसभा चुनावों में जीत का स्वाद चखा और अभिनेता-राजनेता सुरेश गोपी ने त्रिशूर सीट पर भारी अंतर से जीत दर्ज की।

मुरलीधरन की चुनावी हार से केरल कांग्रेस में विवाद

तिरुवनंतपुरम। केरल के त्रिशूर लोकसभा क्षेत्र से वरिष्ठ कांग्रेस नेता के मुरलीधरन की करारी हार के कारण पार्टी की राज्य इकाई में विवाद शुरू हो गया है। बुधवार को उनकी अप्रत्याशित हार के लिए जिला नेतृत्व की आलोचना करते हुए पोस्टर लगाए गए। मुरलीधरन ने मंगलवार को घोषणा की कि वह अब चुनाव नहीं लड़ेंगे और कुछ समय के लिए सार्वजनिक जीवन से दूर रहेंगे। के सी वेणुगोपाल, शशि थरूर और पी के कुन्हालीकुट्टी सहित यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) के कई वरिष्ठ नेताओं ने मुरलीधरन से अपील की कि वे इस हार से निराश न हों।

मंगलवार को घोषित परिणामों में भाजपा उम्मीदवार सुरेश गोपी ने त्रिशूर निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की और भाकपा के सुनील कुमार दूसरे स्थान पर रहे, जबकि मुरलीधरन तीसरे स्थान पर रहे और उन्हें 3,28,124 वोट मिले। भाजपा की जीत से हैरान युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं के एक वर्ग ने जिला पार्टी नेतृत्व की तीखी आलोचना की और केरल में कथित रूप से संघ परिवार की ताकतों के लिए दरवाजे खोलने के लिए उनके इस्तीफे की मांग की।

बुधवार को यहां जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) कार्यालय की दीवारों पर कथित तौर पर युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा लगाए गए पोस्टर दिखाई दिए। इन पोस्टर में पूर्व सांसद टी एन प्रतापन और प्रदेश पार्टी अध्यक्ष जोस वल्लूर पर हार का आरोप लगाया गया। भाजपा के सुरेश गोपी ने 74,686 मतों के अंतर से जीत हासिल की है और इसके साथ ही पार्टी ने राज्य में अपना खाता खोल लिया है।

‘40 में से 40’ की जीत राष्ट्र के नेतृत्व में मददगार होगी : द्रमुक अध्यक्ष स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने बुधवार को कहा कि ‘इंडि’ गठबंधन संवैधानिक सिद्धांतों की रक्षा के लिए देश के नेतृत्व का जिम्मा लेगा। उन्होंने कहा कि 40 में से 40’ की जीत राष्ट्र के नेतृत्व में मददगार होगी क्योंकि द्रमुक तथा इसके सहयोगी दलों ने तमिलनाडु की सभी 39 लोकसभा सीटें और पुडुचेरी की एक सीट जीतकर शानदार प्रदर्शन किया है।

उन्होंने कहा कि तमिलनाडु और राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया’ गठबंधन की जीत से निरंकुशता'' पर लगाम लगी है और अब लोकतंत्र की नयी कोंपलें फूटने लगी हैं।

द्रमुक अध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश में जहां राम मंदिर का निर्माण हुआ, वहां लोगों ने भाजपा की ''सांप्रदायिक'' राजनीति को नकार दिया है।

पार्टी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद पत्र लिखते हुए स्टालिन ने कहा कि जनता ने द्रमुक और सहयोगी दलों को शानदार जीत दिलाई है और कार्यकर्ताओं ने इस शानदार प्रदर्शन के लिए कड़ी मेहनत की है।

समर्थन के लिए लोगों को धन्यवाद देते हुए द्रमुक प्रमुख ने कहा कि इस सफलता ने भाजपा शासन के सत्ता के ''दुरुपयोग'' और अपमानजनक ''प्रचार'' को कड़ा जवाब दिया तथा यह सुनिश्चित किया कि सांप्रदायिक ताकतों'' को तमिलनाडु में कोई मौका नहीं मिले।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी को अपने दम पर बहुमत नहीं मिल सका, जो पार्टी के लिए एक झटका है और यह दर्शाता है कि लोगों को केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर कोई भरोसा नहीं है।

चुनाव परिणाम भाजपा के लिए बड़ा झटका : विजयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने लोकसभा चुनाव के परिणामों को लेकर बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों को कथित रूप से नष्ट करने के भाजपा के प्रयासों के लिए 2024 का परिणाम एक बड़ा झटका है। उन्होंने दावा किया कि परिणाम ये संकेत देते हैं कि भगवा पार्टी के पक्ष में किए गए प्रचार को लोगों ने खारिज कर दिया है। चुनाव परिणाम को लेकर विजयन ने कहा कि लोगों को बांटने के लिए सांप्रदायिकता का इस्तेमाल कर आसानी से आगे बढ़ जाने के

भाजपा के भ्रम को देश की जनता ने तोड़ दिया है। ये नतीजे लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों को नष्ट करने की भाजपा की कोशिशों पर करारा झटका हैं।

मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी किए गए बयान में मुख्यमंत्री ने कहा, चुनाव परिणाम से ये साफ होता है कि भाजपा बहुमत पाने में असमर्थ रही है और देश की जनता ने मीडिया के एक बड़े वर्ग, प्रशासनिक तंत्र और केंद्रीय एजेंसियों और धनबल से किए गए दुष्प्रचार को खारिज कर दिया है। उन्होंने एक बयान में कहा कि त्रिशूर सीट पर भारतीय जनता पार्टी की जीत को काफी गंभीरता से देखा जा रहा है और इसका 'गहन मूल्यांकन' किया जाएगा। केरल के चुनावी परिणामों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीफ) की जीत वैसी नहीं रही, जैसी उम्मीद थी। उन्होंने कहा कि इस बार के परिणाम भी साल 2019 के लोकसभा चुनावों के परिणाम जैसे ही हैं। साल 2019 के लोकसभा चुनावों में एलडीफ ने सिर्फ अलप्पुझा में जीत हासिल की थी। इस बार पार्टी को अलाथुर सीट पर सफलता मिली है।

एक बयान में विजयन ने कहा कि सरकार और वाम मोर्चे की कमियों को परखा जाएगा और उनको दूर किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि 'सरकार के खिलाफ किए जा रहे दुष्प्रचार' का मुकाबला करने और साथ ही लोगों के बीच की गलफहमियों को दूर करने का प्रयास किया जाएगा।

विजयन ने कहा, राज्य सरकार जनादेश को स्वीकार करेगी और आवश्यक सुधार करते हुए अपने कर्तव्य को पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार छोटे-छोटे कदम उठाकर जनता को एक करेगी और राज्य के विकास के लिए काम करेगी। वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीफ) अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करेगा और धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के साथ आगे काम करेगा।

अपने बयान में मुख्यमंत्री ने वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीफ) के समर्थकों और भाजपा के खिलाफ मतदान करने के लिए देश के मतदाताओं को धन्यवाद दिया।

केरल सरकार राजस्व वसूली अधिनियम में संशोधन करेगी

तिरुवनंतपुरम। केरल की वामपंथी सरकार ने समय के अनुसार बदलाव लाने के लिए केरल राजस्व वसूली अधिनियम, 1968 में संशोधन करने का फैसला किया है।

मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने बुधवार को एक बयान में यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में दशकों पुराने अधिनियम में संशोधन को मंजूरी दी गई।

अधिनियम के प्रमुख संशोधनों में कर बकाया पर ब्याज में कमी, कुर्क संपत्तियों की बिक्री के बारे में सूचना का ऑनलाइन प्रकाशन, बकाया राशि का भुगतान करने में चूककर्ता की मदद करने के लिए कुर्क की गई संपत्तियों को बेचने का प्रावधान और सरकार को राजस्व वसूली में किस्तों की शुरुआत करने की अनुमति देना शामिल होगा। इसके अलावा मंत्रिमंडल ने अन्य निर्णयों में नौ जून मध्य रात्रि से 31 जुलाई मध्य रात्रि तक राज्य के जलक्षेत्र में मछली पकड़ने पर 52 दिनों का प्रतिबंध लगाने संबंधी अधिसूचना जारी करने का भी निर्णय लिया।

मंत्रिमंडल ने बोस ऑगस्टीन के नाम की सिफारिश राज्यपाल से करने का निर्णय लिया, ताकि उन्हें राज्य लोक सेवा आयोग का सदस्य नियुक्त किया जा सके।

चेन्नईयिन एफसी ने रक्षापंक्ति को मजबूत करने के लिए ब्राजील के एल्सिन्हो से करार किया

चेन्नई। चेन्नईयिन एफसी ने बुधवार को ब्राजील के रक्षापंक्ति के खिलाड़ी एलसन जोस डायस जूनियर (एल्सिन्हो) के साथ दो साल का करार किया, जिससे वह 2026 तक क्लब के साथ जुड़े रहेंगे। इस सप्ताह की शुरुआत में मिडफील्डर जितेंद्र सिंह की सेवाएं हासिल करने के बाद एल्सिन्हो इस टीम से 2024-25 सत्र से पहले जुड़ने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गये है।

चेन्नईयिन के मुख्य कोच ओवेन कॉयले ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, ''एल्सिन्हो एक बहुमुखी, मजबूत और तकनीकी फुटबॉलर है जो मिडफील्ड और सेंटर बैक में अपनी सेवाएं दे सकता है। इससे हमें रक्षापंक्ति में बेहतर विकल्प मिलेगा। हमारी टीम में ब्राजील के खिलाड़ियों का बड़ा विकल्प होता है।'' एल्सिन्हो ने 2014 में क्लब एस्पोर्टिवो नविरैएन्से के साथ अपनी पेशेवर यात्रा शुरू की। उन्होंने अपने करियर में अब तक 214 मैच खेले हैं। उन्होंने 15 गोल किये हैं और दो गोल करने में मदद की है।

बीच समुद्र में खराब हुई नाव से 31 मछुआरों को सुरक्षित निकाला गया

कोझिकोड। केरल के परप्पनांगड़ी तट के निकट बीच समुद्र में फंसे 31 मछुआरों के एक समूह को सुरक्षित बचाकर तट पर लाया गया। मात्स्यिकी समुद्री प्रवर्तन ने बुधवार को यहां यह जानकारी दी। समुद्री प्रवर्तन के मुताबिक, मछुआरे की नाव में तकनीकी खराब आ गयी थी, जिसकी वजह से वे बीच समुद्र में फंस गये थे। एक आधिकारिक बयान में बताया गया कि मात्स्यिकी समुद्री प्रवर्तन की बेपोर स्थित एक इकाई के कर्मी बीच समुद्र में फंसे मछुआरों और उनकी नाव को सुरक्षित तट पर लाने में कामयाब रहे। बयान के मुताबिक, मछुआरों की नाव इंजन में खराबी की वजह से समुद्र में फंस गयी थी। बयान में बताया इंजन में खराबी के कारण परप्पनांगड़ी क्षेत्र के निकट नाव के समुद्र में फंसे होने की सूचना मिलने के बाद बचाव अभियान शुरू किया गया। बयान के मुताबिक, ‘नाथन’ नामक नौका बेपोर बंदरगाह से समुद्र में गयी थी। बेपोर स्थित मात्स्यिकी सहायक निदेशक के निर्देश पर प्रवर्तन शाखा ने समुद्री एंबुलेंस की सहायता से अभियान चलाया। बयान के मुताबिक, सभी बचाये गये मछुआरों को सुरक्षित बंदरगाह वापस लाया गया।

दक्षिण पश्चिम रेलवे ने विश्व पर्यावरण दिवस मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) ने बुधवार को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। इस अवसर पर महाप्रबंधक अरविंद श्रीवास्तव ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। रेलवे स्टेशन के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने शपथ ली। इसके बाद स्काउट्स और गाइड्स द्वारा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने और हरित पहल को अपनाने के प्रयास के तहत अरविंद श्रीवास्तव द्वारा यात्रियों को कपड़े के थैले वितरित किए गए। इसके अलावा, रेलवे बोर्ड द्वारा भारतीय रेलवे के सभी महाप्रबंधकों को संबोधित करते हुए एक वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। कार्यक्रम के दौरान दपरे को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले जोन के लिए स्वच्छता पखवाड़ा 2023 से सम्मानित किया गया, जिसे रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष और सीईओ जया वर्मा सिन्हा से नई दिल्ली में प्रिंसिपल चीफ मैटेरियल्स मैनेजर एके सिरोही ने प्राप्त किया। इसके बाद, दक्षिण पश्चिम रेलवे के पर्यावरण एवं हाउसकीपिंग प्रबंधन विभाग द्वारा निर्मित पुस्तिका का विमोचन किया गया। पुस्तिका में हरित पर्यावरण और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए दक्षिण पश्चिम रेलवे द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों पर प्रकाश डाला गया है। रेल सौधा में पौधरोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

इस अवसर पर एसएसएस हुब्बल्ली रेलवे स्टेशन पर एक सेल्फी प्वाइंट स्थापित किया गया। यह स्थान यात्रियों को धरती के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को कैमरे में कैद करने और साझा करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

अरविंद श्रीवास्तव ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस 2024 का विषय है- भूमि पुनरुद्धार, मरुस्थलीकरण रोकना और सूखे से निपटने की क्षमता का निर्माण। नारा है- हमारी भूमि, हमारा भविष्य। जो हमारे ग्रह के पारिस्थितिकी तंत्र को ठीक करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। दपरे ने व्यापक कचरा प्रबंधन, ऊर्जा संरक्षण, वनरोपण तथा एकल उपयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने और कूड़ा-कचरा फैलाने के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाए हैं। दपरे को रेलवे बोर्ड से पर्यावरण एवं स्वच्छता शील्ड 2023 तथा स्वच्छता पखवाड़ा 2023 में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। हुब्बली, बेंगलूरु और मैसूरु डिवीजनों द्वारा भी विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया।

बेंगलूरु रेलवे स्टेशन पर मंडल रेल प्रबंधक योगेश मोहन द्वारा प्लास्टिक बोतल क्रशिंग मशीन का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में केएस जैन, एम प्रधान, प्रवीण कुमार तिवारी, हर्ष खरे, उमेश कुमार समेत कई अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

राजग की नई सरकार में कुमारस्वामी की नजर कृषि मंत्रालय पर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जनता दल (सेक्युलर) के नेता एवं कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने बुधवार को संकेत दिया कि उनकी पार्टी की रुचि नयी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार में कृषि मंत्रालय को लेकर है। कुमारस्वामी के पिता एवं पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के नेतृत्व वाली जद (एस) पिछले साल राजग में शामिल हुई थी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जद (एस) ने कर्नाटक में मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ा था। कर्नाटक की कुल 28 लोकसभा सीट में भाजपा को 17 और जद(एस) को दो सीट पर जीत मिली है।

सरकार गठन से पहले जद (एस) की ‘मांग’ को लेकर पूछे गए सवाल पर कुमारस्वामी ने कहा, ''हमारी ऐसी कोई मांग नहीं है। हमारी प्राथमिकता कर्नाटक से जुड़े मुद्दों का समाधान है जो लंबे समय से केंद्र के समक्ष लंबित है। कर्नाटक को केंद्र में प्रतिनिधित्व (मंत्रिमंडल में) देने का फैसला नरेन्द्र मोदी करेंगे।'' मंत्री पद की अकांक्षा के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि ''राजग नेतृत्व इसपर फैसला करेगा। कुमारस्वामी ने कहा, समय आने पर हम इसपर बात करेंगे। दिल्ली के नेता जानते हैं कि यहां (कर्नाटक) की स्थिति को लेकर क्या उचित फैसला लिया जा सकता है। वे फैसला करेंगे।'' कुछ धड़ों में उनके कृषि मंत्री होने के लगाए जा रहे कयास और जद (एस) के कई नेताओं द्वारा भी इसी तरह की इच्छा जताए जाने को लेकर पूछे गए सवाल पर कुमारस्वामी ने स्वीकार किया कि उनकी पार्टी की रुचि कृषि मंत्रालय में है। उन्होंने कहा, देखते हैं कि क्या फैसला होता है। राजग की होने वाली बैठक में हिस्सा के लिए दिल्ली पहुंचे कुमारस्वामी ने कहा, हमारी पार्टी के हित में कृषि विभाग है। हमारी लड़ाई शुरू से ही किसान समुदाय की बेहतरी के लिए रही है।

मंत्री की बर्खास्ती को लेकर भाजपा राज्यपाल से करेगी अनुरोध

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। भाजपा के प्रदेश महासचिव पी. राजीव ने कहा कि विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर अशोक, भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष विजयेन्द्र येडीयुरप्पा के नेतृत्व में राजभवन जाकर राज्यपाल थावरचन्द गहलोत से कर्नाटक के मंत्री नागेन्द्र को बर्खास्त करने का आग्रह करेंगे।

आदिवासी बहुल इलाके में बीएपी की 'दोहरी' जीत ने चौंकाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के आदिवासी बहुल इलाके में भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) ने 'दोहरी' जीत दर्ज कर सभी चौंका दिया है। बीएपी ने आम चुनाव में बांसवाड़ा लोकसभा पर जीत दर्ज करने के साथ ही राज्य की बागीदौरा विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भी बाजी मार ली है। दोनों ही सीट पर परिणाम मंगलवार को घोषित कर दिये गये थे। बांसवाड़ा लोकसभा सीट पर बीएपी के राजकुमार रोत ने जीत दर्ज की है जिन्होंने राज्य के पूर्व मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता महेंद्रजीत सिंह मालवीया को 2,47,054 मतों के अंतर से हराया।

रोत चौरासी सीट से विधायक हैं। इस जीत के साथ बीएपी ने संसदीय राजनीति में कदम रखा है और यह आदिवासी मतदाताओं के बीच पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता का संकेत है। बांसवाड़ा ही वह इलाका है जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था, अगर कांग्रेस केंद्र में सत्ता में आती है तो वह लोगों की संपत्ति मुसलमानों में समान रूप से पुन:वितरित कर देगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस संबंध में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की उस टिप्पणी का हवाला दिया कि जिसमें उन्होंने कहा था कि देश के संसाधनों पर 'पहला हक' अल्पसंख्यक समुदाय का है।

बीएपी ने 2023 के राजस्थान विधानसभा चुनाव में तीन सीट जीतकर जोरदार प्रदर्शन किया। इस जीत को क्षेत्रीय राजनीति को नयी दिशा देने की इसकी संभावनाओं का संकेत माना जाता है। बीएपी की उत्पत्ति 2017 में गुजरात में छोटूभाई वसावा द्वारा स्थापित भारतीय ट्राइबल पार्टी से जुड़ी हुई है। रोत और रामप्रसाद डिंडोर ने 2018 का विधानसभा चुनाव इसी पार्टी से जीत था लेकिन वे सितंबर 2023 में बीएपी बनाने के लिए अलग हो गए।

बीएपी के उम्मीदवार जयकृष्ण पटेल ने मंगलवार को ही बागीदौरा विधानसभा उपचुनाव में 51,434 मतों के महत्वपूर्ण अंतर से जीत दर्ज की है। निर्वाचन आयोग के अनुसार पटेल को 1,22,573 मत मिले, वहीं भाजपा के उम्मीदवार सुभाष तंबोलिया को 71,139 मत हासिल हुए। कांग्रेस ने इस सीट पर बीएपी का समर्थन किया था। बागीदौरा विधानसभा सीट कांग्रेस के विधायक महेंद्रजीत मालवीया द्वारा अपने पद से इस्तीफा दिए जाने के कारण खाली हुई थी। मालवीया कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए और बांसवाड़ा सीट से लोकसभा का चुनाव लड़ा। वहां भी उन्हें बीएपी के उम्मीदवार रोत के हाथों हार का सामना करना पड़ा।

राजनीतिक जानकारों के अनुसार आदिवासी बहुल इलाके के राजनीतिक पटल पर बीएपी का उदय राजस्थान के आदिवासी समुदायों की बढ़ती राजनीतिक आकांक्षाओं को दर्शाता है। इस जीत के साथ राजस्थान विधानसभा में बीएपी के विधायकों की संख्या चार हो गई है। दो सौ सीट वाली विधानसभा में फिलहाल भाजपा के 115, कांग्रेस के 69 और आठ निर्दलीय विधायक हैं। हालांकि रोत सहित पांच विधायक इस आम चुनाव में सांसद बन गए हैं ऐसे में यह आंकड़ा बदल जाएगा।

राजस्थान में पांच विधायक बने सांसद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में लोकसभा चुनाव में पांच विधायक चुनाव जीतकर सांसद बन गए हैं जिनमें कांग्रेस के तीन विधायक शामिल हैं। देवली उनियारा से कांग्रेस विधायक हरीश मीणा ने टोंक-सवाईमाधोपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा और भाजपा के सुखबीर सिंह जौनपुरिया को 64,949 मतों से हराया। झुंझुनू से कांग्रेस विधायक बृजेंद्र ओला ने झुंझुनू लोकसभा सीट पर भाजपा के प्रत्याशी शुभकरण चौधरी को 18,235 मत से हराया। इसी तरह दौसा से कांग्रेस विधायक मुरारीलाल मीणा ने दौसा लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा और भाजपा के कन्हैयालाल मीणा को 2,37,340 मत से हराया।

विधायक से सांसद बनने वाले दो और नाम हनुमान बेनीवाल व राजकुमार रोत हैं। खींवसर से राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के विधायक बेनीवाल ने नागौर लोकसभा सीट जीती है। वहीं चौरासी सीट से भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के विधायक रोत ने आदिवासी बहुल बांसवाड़ा सीट पर 2,47,054 मत से जीत ली।

उल्लेखनीय है कि निर्वाचन आयोग ने राज्य की सभी 25 लोकसभा सीटों के परिणाम मंगलवार शाम को घोषित कर दिए। भाजपा ने लोकसभा की 14 व कांग्रेस ने आठ सीटें जीत ली हैं। विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडिया') के घटक दल मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने सीकर और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) ने नागौर सीट जीत ली है। इसी तरह बांसवाड़ा सीट पर भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) विजयी रही है।

यह भी रोचक है कि राज्य विधानसभा में कुल 200 सीटें हैं। इनमें से एक सीट बागीदौरा खाली थी जिस पर हुए उपचुनाव का परिणाम भी मंगलवार को घोषित किया गया। यहां बीएपी के उम्मीदवार जयकृष्ण पटेल ने 51,434 मतों से जीत दर्ज की। बागीदौरा सीट कांग्रेस के विधायक महेंद्रजीत मालवीया द्वारा अपने पद से इस्तीफा दिए जाने के कारण खाली हुई थी।

मालवीया कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए और बांसवाड़ा सीट से लोकसभा का चुनाव लड़ा। हालांकि उनको इसमें हार का सामना करना पड़ा। इस जीत के साथ राजस्थान विधानसभा में बीएपी के विधायकों की संख्या चार हो गई है। राजस्थान विधानसभा में फिलहाल भारतीय जनता पार्टी के 115 विधायक, कांग्रेस के 69 विधायक, बहुजन समाज पार्टी के दो विधायक हैं। आठ निर्दलीय विधायक हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शान्ति एवं अहिसा विभाग द्वारा किया गया सघन वृक्षारोपण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शान्ति एवं अहिंसा विभाग तथा स्वयंसेवी संगठन मित्राय- वी ह्यमन (इण्डिया) फाउन्डेशन के सहयोग से साईंस पार्क, शास्त्री नगर में सघन वृक्षारोपण अभियान आरंभ किया गया। इस अवसर पर साईंस पार्क में लगभग 108 पौधे लगाये गये, जिनमें 20 अशोक, 2 मोलश्री, 3. कदंब, 3 गुलमोहर, 10 नीम, 5 करंज, 2 अर्जुन, 5 मोहिनगी, 5 जामुन, 5 आग, 2 कचनार 5 बील, 3 ऑवला, 2 पीपल, 7 बड़, 5 रुद्राक्ष, 5 कल्पवृक्ष, 5 पिलखन, 3 अंजीर 5 शहतूत, 3 अमरुद, 3 थाई एपल सम्मिलित थे। अभियान में शान्ति एवं अहिंसा विभाग के शासन सचिव श्री वी. सरवण कुमार, उपसचिव श्री विनोद कुमार जांगीड़, उपनिदेशक श्रीमती रजनी मीणा, श्रीमती प्रियंका यादव, मुख्य लेखाधिकारी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, शान्ति एवं अहिंसा निदेशालय का समस्त स्टाफ एवं स्वयंसेवी संस्था मित्राय के प्रतिनिधि डॉ. विनीत शर्मा, श्री हरिशंकर शर्मा, श्री संजय गुप्ता, एडवोकेट अशोक शर्मा, योग गुरु श्रीमती रश्मि, डॉ. अनामिका जैन इत्यादि उपस्थित रहे।

राजस्थान सीएमओ की सोशल मीडिया तथा कम्यूनिकेशन टीम द्वारा बुधवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सचिवालय परिसर स्थित उद्यान में पक्षियों के लिए बांधे गए भगीरथ परिंडो को जल से भरा गया और राजस्थान को जल सम्पन्न बनाने में योगदान देने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर सीटीओ गौरव शर्मा ने कहा कि जिस प्रकार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ईआरसीपी एवं अन्य जल परियोजनाओं के माध्यम से प्रदेश को जल सम्पन्न बनाने की राह प्रशस्त कर रहे हैं, उसी प्रकार हम सभी को मानवीयता की भावना के साथ प्रदेश को जल सम्पन्न बनाने में अपना योगदान देना चाहिए। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के भगीरथ प्रयासों के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए सोशल मीडिया टीम द्वारा पिछले दिनों उद्यान में बेजुबान पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए भगीरथ परिंडा लगाने का अभियान चलाया गया था। इस अवसर पर आईस्टार्ट राजस्थान के प्रभारी अधिकारी तपन कुमार, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के सिस्टम एनालिस्ट (संयुक्त निदेशक) प्रदीप कुमार शर्मा सहित सोशल मीडिया टीम के सभी सदस्य उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस

जयपुर में बुधवार को विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल ने उपस्थित जनों को संबोधित किया व पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के संकल्प को दोहराया।

पर्यावरण संरक्षण हम सबकी जिम्मेदारी भी और कर्तव्य भी : राज्यवर्धन सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री और झोटवाड़ा से भाजपा विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने गुरुवार विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गुरुवार को क्षेत्रवासियों और कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर पौधारोपण किया।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने प्रकृति संरक्षण के प्रति सजग बनकर सभी से अपना अमूल्य योगदान देने की विनम्र अपील की। राठौड़ ने कहा, मनुष्य का प्रकृति से अटूट संबंध है। प्रकृति व पर्यावरण संरक्षण हम सबकी जिम्मेदारी भी है और कर्तव्य भी है।

मोदी सरकार ने इस दिशा में अनेकों प्रयासों से समाज में जागृति लाने का अभूतपूर्व कार्य किया है। जलवायु परिवर्तन के खतरे से निपटने के लिए जो वैश्विक प्रयास चल रहे हैं, उनमें भारत एक आशा की किरण बनकर के उभरा है। राठौड़ ने कहा, जलवायु की रक्षा के लिए, पर्यावरण की रक्षा के लिए हमारे प्रयासों का संगठित होना बहुत ज़रूरी है। देश का एक-एक नागरिक जब जल, वायु और जमीन के संतुलन को साधने के लिए एकजुट होकर प्रयास करेगा, तभी हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित पर्यावरण दे पाएंगे।

कांग्रेस लोगों को गुमराह करती है : सांसद पीपी चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पाली । राजस्थान की पाली लोकसभा सीट से पीपी चौधरी ने जीत की हैट्रिक लगाई और तीसरी बार सांसद बने। पीपी चौधरी ने कांग्रेस प्रत्याशी संगीता बेनीवाल को 2,45,351 वोटों से हराया। सांसद बनने के बाद वह दिल्ली के लिए रवाना हुए। इस दौरान एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि लक्ष्य ऊपर नीचे होता रहता है। पीपी चौधरी ने कहा कि लक्ष्य कम ज्यादा होता रहता है, जनता का आदेश सर आंखों पर। इस बार हम किसी भी सूरत में कॉम्प्रोमाइज नहीं करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 10 साल में विश्व में भारत का मान और सम्मान बढ़ाया है, वह अनुकरणीय है, ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था। पूरे विश्व में बड़े-बड़े नेता और विश्व की एजेंसियां यह मानती है कि प्रधानमंत्री मोदी विश्व के नेता हैं और उनके सबसे ज्यादा फैन फॉलोअर्स हैं।

उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि हमारे प्रधानमंत्री ने पूरे विश्व में भारत का नाम किया। पिछले 10 साल में पीएम मोदी ने जो योजनाएं चलाईं, उसका लाभ समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंचा। सभी का सम्मान के साथ बिना किसी भेदभाव के सबका साथ, सबका विकास करना बहुत बड़ी बात है। कांग्रेस पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा झूठ बोलती रही है। कांग्रेस झूठ का जनरेटर है, आमजन को गुमराह कर, झूठ बोलकर अपना काम चलाती है। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि काठ की हांडी कितने दिन तक चलेगी, आखिर लोगों को पता चलेगा ही कि कांग्रेस कहां खड़ी है। उन्होंने आगे कहा कि मैं आपके माध्यम से सभी वोटर्स और कार्यकर्ताओं को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। लोगों ने मेरे ऊपर विश्वास और भरोसा जताया है। मैं प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने तीसरी बार मुझे मौका दिया और उनके विकास कार्यों के चलते उन्हें ये जीत मिली है। हमें जो काम दिया जाएगा उसे भली भांति हम करेंगे।

चर्चित किडनी कांड का फरार आरोपी डॉक्टर पुलिस के हत्थे चढ़ा

झुंझुनू। शहर के धनखड़ हॉस्पिटल में हाल ही में किडनी के इलाज में लापरवाही का मामला सामने आया था।

मामला दर्ज होने के बाद फरार हुए डॉक्टर को पुलिस ने आज गिरफ्तार कर लिया। झुंझुनू जिला पुलिस अधीक्षक ने जानकरी देते हुए बताया झुंझुनू जिला पुलिस अधीक्षक ने जानकारी देते हुए बताया कि मेडिकल कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर गवाहों के बयान और घटनास्थल का निरीक्षण करके जो बात सामने आई है, उसके आधार पर कुछ नई धाराएं भी मामले में जोड़ी गई हैं।

पुलिस के अनुसार डॉ. संजय धनखड़ गुजरात की तरफ फरार होने की फिराक में था। पुलिस हिरासत में लेने के बाद धनखड़ से और भी पूछताछ की जा रही है। एसपी ने बताया कि जो किडनी गायब हुई है, उसका बायो मेडिकल वेस्ट हुआ है या नहीं हुआ है, इसके बारे में भी पूछताछ की जाएगी।

कांस्टेबल की पत्नी संजना बन गई सांसद, दिग्गज को दी मात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। राजस्थान के भरतपुर लोकसभा सीट से कांग्रेस की टिकट पर चुनाव जीतने वाली 25 वर्षीय दलित महिला और दो बच्चों की मां 18वीं लोकसभा में राजस्थान से सबसे कम उम्र की सांसद बनकर उभरी हैं। इस लोकसभा चुनाव में चुने गए देश के सबसे कम उम्र के चार सांसदों में संजना जाटव भी शामिल हैं। जाटव ने राजस्थान के भरतपुर लोकसभा सीट पर 59 वर्षीय भाजपा उम्मीदवार और पूर्व लोकसभा सांसद रामस्वरूप कोली को लगभग 52 हजार वोटों के अंतर से हराकर महत्वपूर्ण जीत हासिल की है।

जीत के बाद जनता के बीच राजस्थानी गाने पर जीत की खुशी में डांस करती नजर आईं अपनी शानदार जीत को जाटव ने जनता की जीत बताई है। उन्होंने अपनी जीत के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी, अशोक गहलोत और सचिन पायलट को धन्यवाद देते हुए कहा संजना जाटव ने कहा कि वह लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने का हरसंभव प्रयास करेंगी। उन्होंने कहा, 'मुझे यह अवसर देने के लिए मैं पार्टी नेतृत्व और भरतपुर के लोगों को उनके अपार समर्थन के लिए धन्यवाद देती हूं।' इससे पहले जाटव ने अलवर की कठूमर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ी थीं, लेकिन वह बीजेपी के रमेश खींची से महज 409 वोटों से हार गई थीं। नवंबर 2023 के विधानसभा चुनाव में दोनों उम्मीदवारों को 79,000 से अधिक वोट मिले थे। कठूमर अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीट है। 1998 से इस सीट पर बारी-बारी से कांग्रेस और भाजपा जीतती रही है। दोनों पार्टियों ने इस विधानसभा सीट पर तीन-तीन बार जीत हासिल की है।

संजना जाटव प्रियंका गांधी की 'लड़की हूं लड़ सकती हूं' अभियान में भी शामिल रही हैं और उन्हें क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं का समर्थन प्राप्त है। इनमें एआईसीसी महासचिव भंवर जितेंद्र सिंह और भरतपुर शाही परिवार से पूर्व सांसद और मंत्री विश्वेंद्र सिंह भी शामिल हैं।

संजना के पति कप्तान सिंह पुलिस कांस्टेबल हैं। संजना दो छोटे बच्चों की मां हैं। उन्होंने 2019 में महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय से स्नातक की पढ़ाई पूरी की है।

लोकसभा चुनाव के लिए दिए गए उनके हलफनामे के अनुसार, उन्होंने 23 लाख 10 हजार 193 रुपये की संपत्ति घोषित की है। उन पर 7 लाख 15 हजार 340 रुपये की देनदारी है।

कांग्रेस व 'इंडिया' गठबंधन ने शेखावाटी सहित कई इलाकों में दिखाया दम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस और विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडिया') ने इस आम चुनाव में शेखावाटी व पूर्वी राजस्थान सहित कई इलाकों में महत्वपूर्ण सीटें जीतकर दम दिखाया है। माना जा रहा है कि इन सीटों पर पार्टी उम्मीदवारों की जीत से इसके नेताओं और कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार होगा।

निर्वाचन आयोग ने राज्य की सभी 25 लोकसभा सीटों के परिणाम मंगलवार शाम को घोषित कर दिए। भाजपा ने लोकसभा की 14 और कांग्रेस ने आठ सीटें जीत ली हैं। 'इंडिया' के घटक दल मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने सीकर और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) ने नागौर सीट जीत ली है। इसी तरह बांसवाड़ा सीट पर भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) विजयी रही है।

पिछले एक दशक यानी दो आम चुनाव के बाद पहली बार राज्य में कांग्रेस का खाता खुला है। भाजपा ने 2014 में राज्य की सभी 25 संसदीय सीटें जीती थीं जबकि 2019 के आम चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन राजग ने सभी सीटें (24 भाजपा और एक आरएलपी) जीती थीं। इस बार यानी 2024 के आम चुनाव में कांग्रेस ने सीकर में माकपा और नागौर में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी आरएलपी के साथ गठबंधन किया और बांसवाड़ा में भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) का समर्थन किया। भाजपा ने सभी 25 सीटों पर स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ा।

परिणाम के हिसाब से शेखावाटी इलाके में चूरू और झुंझुनू सीट कांग्रेस के खाते में गई जबकि सीकर सीट 'इंडिया' के घटक दल माकपा तथा नागौर सीट आरएलपी ने जीती है। शेखावाटी इलाके की चारों सीटें 'इंडिया' गठबंधन को मिली। इसी तरह किसानों के गढ़ माने जाने वाले उत्तरी राजस्थान में कांग्रेस ने गंगानगर सीट जीत ली, हालांकि भाजपा ने बीकानेर पर अपना कब्जा बरकरार रखा है। यहां से केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल जीत गए लेकिन उनकी जीत का अंतर 55,711 मत ही रहा। 2019 का चुनाव वह 2,64,081 मत से जीते थे। वे उत्तरी राजस्थान में जीतने वाले भाजपा के एकमात्र उम्मीदवार हैं।

पूर्वी राजस्थान की बात की जाए तो कांग्रेस ने भरतपुर, दौसा, करौली-धौलपुर और टोंक-सवाई माधोपुर सीट जीती। भाजपा इस इलाके में केवल अलवर सीट ही जीत सकी। दौसा सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार और विधायक मुरारी लाल मीणा ने 2,37,340 मतों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की।

भरतपुर में कांग्रेस की युवा उम्मीदवार संजना जाटव 51,983 मत से जीत गई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का गृहनगर होने के कारण भरतपुर कांग्रेस के लिए बड़ी जीत है। भरतपुर की लोकसभा सीट हारना मुख्यमंत्री शर्मा के लिए बड़ा झटका मानी जा रही है। वहीं कांग्रेस नेता सचिन पायलट के खेमे ने पूर्वी राजस्थान में पार्टी की जीत का श्रेय पायलट को दिया है। गुर्जर समुदाय से आने वाले पायलट का पूर्वी राजस्थान में प्रभाव माना जाता है। मुरारीलाल मीणा (दौसा) और हरीश चंद्र मीणा (टोंक-सवाई माधोपुर) पायलट के करीबी माने जाते हैं।

पश्चिमी राजस्थान में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत जालौर सीट पर 2,01,543 वोटों से हार गए। गहलोत ने चुनाव प्रचार के दौरान इस सीट पर पूरी ताकत झोंक रखी थी। भारत-पाक सीमा पर स्थित बाड़मेर सीट पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की। भाजपा ने जोधपुर सीट भी बरकरार रखी जहां केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत जीते। भाजपा ने हाड़ौती क्षेत्र में अपना गढ़ बरकरार रखा जहां पार्टी उम्मीदवार ओम बिरला और दुष्यंत सिंह ने क्रमश: कोटा और झालावाड़-बारां सीटें जीतीं। यह अलग बात है कि 2019 में बिड़ला की जीत का अंतर 2,79,677 मत था जो इस बार घटकर 41,974 रह गया। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के बेटे दुष्यंत सिंह ने इस बार 3,70,989 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। 2019 में दुष्यंत सिंह की जीत का अंतर 4,53,928 वोट था। उन्होंने यह सीट 5वीं बार जीती है।

इसी तरह दक्षिणी राजस्थान में, उदयपुर, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़ और राजसमंद लोकसभा सीट वाले मेवाड़ तथा वागड़ क्षेत्र में भाजपा ने तीन सीटों पर कब्जा कायम रखा है। हालांकि बांसवाड़ा सीट कांग्रेस समर्थित भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) ने जीती। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने चित्तौड़गढ़ सीट पर तीसरी बार जीत दर्ज की है। भाजपा के नए चेहरे महिमा कुमारी ने राजसमंद सीट जीती।

भाजपा 2021 के बाद अपनी पकड़ को क्यों बरकरार नहीं रख सकी, इसके कारणों का पता लगाएंगे: घोष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता दिलीप घोष ने अपनी चुनावी हार के पीछे 'साजिश' की ओर इशारा करते हुए बुधवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में 2021 के विधानसभा चुनावों के बाद भाजपा अपनी पकड़ को बरकरार रख पाने में क्यों नाकाम रही, इसके कारणों का पता लगाएंगे।

घोष ने संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने बर्धमान-दुर्गापुर सीट पर पूरी मेहनत से चुनाव लड़ा लेकिन सफल नहीं हो सके। उन्होंने कहा, ''साजिश आदि राजनीति का हिस्सा हैं। मैं इसे इसी तरह लेता हूं। इसके बावजूद मैंने बहुत मेहनत की लेकिन सफल नहीं हो सका। राजनीति में हर कोई आपको पीछे धकेलने की फिराक में बैठा है।''

दिलीप घोष 2019 में मेदिनीपुर लोकसभा सीट से चुनाव जीते थे लेकिन इस बार उन्हें बर्धमान-दुर्गापुर सीट पर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कीर्ति आजाद के हाथों शिकस्त का सामना करना पड़ा।

यह पूछने पर कि क्या सीट बदला जाना भी उनकी हार का एक कारण हो सकता है, जिस पर घोष ने कहा, ''सब कुछ संभव है। सभी फैसलों के निहितार्थ होते हैं। बंगाल की जनता तय करेगी कि क्या सही है और क्या गलत। जब टीम ने मुझसे कहा तो मैंने पूरी शिद्दत से उसे अंजाम दिया। मैंने पूरी ईमानदारी से चुनाव लड़ा। मैं एक अनुशासित कार्यकर्ता हूं। मेरी पार्टी ने मुझसे चुनाव लड़ने को कहा, मैंने लड़ा।''

उन्होंने कहा, ''बर्धमान एक मुश्किल सीट थी और जो लागे वहां गए, वे स्वीकार करेंगे कि सीट पर चुनौती थी...जिन लोगों ने मुझे इस सीट के लिए नामांकित किया, वे इस पर विचार करेंगे।''

वर्ष 2021 में भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष रहे घोष ने कहा कि पिछले विधानसभा चुनावों के बाद पश्चिम बंगाल में पार्टी अपनी पकड़ क्यों बरकरार रख पाने में नाकाम रही, इसके कारणों का पता लगाये जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''पार्टी 2021 तक तेज गति से आगे बढ़ रही थी लेकिन उसके बाद कैसे अपनी राह से भटक गई। हम 2021 तक जिस गति से आगे बढ़ रहे थे उस गति से आगे नहीं बढ़ सके। हमें इस साल बहुत उम्मीदें थीं, लेकिन अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए। कुछ कमी जरूर रही होगी। हमें इसकी जांच करनी चाहिए। हर चीज पर चर्चा होनी चाहिए।''

वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने पश्चिम बंगाल में 18 लोकसभा सीट पर जीत हासिल की थी लेकिन इस बार उसकी संख्या घटकर 12 रह गई।

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने सभी 29 सीटों पर भाजपा की विजय के लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव को दी बधाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को राज्य में लोकसभा चुनावों में प्रदेश की सभी 29 सीटों पर भाजपा की विजय के लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव को बधाई दी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को राज्य की सभी 29 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल की। चौहान बुधवार को सुबह मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास पर भाजपा की ऐतिहासिक जीत के लिए यादव को बधाई देने पहुंचे। एक अधिकारी ने बताया कि इस अवसर पर चौहान और यादव दोनों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई। चौहान ने राज्य की विदिशा लोकसभा सीट से अपने कांग्रेस प्रतिद्वंद्वी प्रताप भानु शर्मा को 8,21,408 मतों के अंतर से हराया। पूर्व मुख्यमंत्री को कुल 11,16,460 वोट मिले, जबकि दो बार सांसद रहे शर्मा को 2,95,052 वोट मिले। विदिशा से यह चौहान की छठी संसदीय चुनावी जीत है। इस सीट का प्रतिनिधित्व पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी (1991), मीडिया दिग्गज रामनाथ गोयनका (1971) और भाजपा नेता सुषमा स्वराज (2009 और 2014) ने भी किया है।

2019 के लोकसभा चुनावों में, भाजपा ने राज्य की 29 सीटों में से छिंदवाड़ा को छोड़कर 28 पर जीत हासिल की थी। छिंदवाड़ा को कांग्रेस के दिग्गज और पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ का गढ़ माना जाता है।

ओडिशा चुनाव में मां-बेटे, पति-पत्नी और पूर्व मुख्यमंत्री के बच्चों को हार का सामना करना पड़ा

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में एक साथ हुए लोकसभा और विधानसभा चुनावों में कई निर्वाचन क्षेत्र ऐसे रहे, जिनमें कई प्रमुख नेताओं एवं उनके परिवार के सदस्यों को हार का सामना करना पड़ा। लोकसभा और विधानसभा चुनावों के नतीजे मंगलवार को घोषित किए गए थे। बीजू जनता दल (बीजद) के प्रभावशाली नेता प्रणब प्रकाश दास और उनकी मां, मंत्री सुदाम मरांडी और उनकी पत्नी तथा दो पूर्व मुख्यमंत्रियों के बच्चे इन चुनावों में हार गए।

बीजद के संगठनात्मक सचिव प्रणब को संबलपुर लोकसभा सीट से केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने 1,19,836 मतों के अंतर से हराया। प्रणब की मां संध्यारानी भी कोराई विधानसभा सीट पर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता आकाश दास नायक से 5,646 मतों के अंतर से हार गईं। इसी तरह, नवीन पटनायक की कैबिनेट में मंत्री रहे सुदाम मरांडी मयूरभंज लोकसभा सीट से हार गए। मयूरभंज सीट पर भाजपा उम्मीदवार नाबा चरण माझी ने 2,19,334 मतों के अंतर से जीत दर्ज की। सुदाम मरांडी की जगह बीजद ने उनकी पत्नी रंजीता मरांडी को बंगरीपोसी विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया था। रंजीता मरांडी भाजपा उम्मीदवार संजली मुर्मू से हार गईं।

बंगाल: तृणमूल की दक्षिण में मुस्लिम क्षेत्रों में जीत, अल्पसंख्यक मत बंटने से उत्तर में भाजपा जीती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। राजनीतिक विश्लेषकों ने बुधवार को कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने पश्चिम बंगाल के दक्षिणी क्षेत्र में मुस्लिम बहुल इलाकों में तृणमूल कांग्रेस को शानदार जीत दिलाने में मदद की, जबकि उनके मतों के विभाजन की वजह से राज्य के उत्तरी हिस्से में भाजपा को जीत हासिल करने में मदद मिली। राज्य में अल्पसंख्यक मतदाता लगभग 30% हैं जिनका प्रभाव 16-18 लोकसभा सीट तक फैला हुआ है। इससे वे सभी दलों के लिए महत्वपूर्ण बन जाते हैं।

उत्तर और दक्षिण बंगाल दोनों में रायगंज, कूचबिहार, बालूरघाट, मालदा उत्तर, मालदा दक्षिण, मुर्शिदाबाद, डायमंड हार्बर, उलुबेरिया, हावड़ा, बीरभूम, कांथी, तमलुक, मथुरापुर और जॉयनगर जैसे संसदीय क्षेत्रों में मुस्लिम आबादी काफी है। परिणामों पर एक विश्लेषक ने कहा कि वाम-कांग्रेस

गठबंधन और तृणमूल कांग्रेस के बीच अल्पसंख्यक मतों के विभाजन के चलते भाजपा बालूरघाट, रायगंज और मालदा उत्तर सीट को बरकरार रखने में सफल रही। राजनीतिक विश्लेषक विश्वनाथ चक्रवर्ती ने कहा, ''दक्षिण बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ने उम्मीद के मुताबिक अल्पसंख्यक क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन किया। लेकिन उत्तर बंगाल की कुछ सीट पर पार्टी को अल्पसंख्यक मतों के एक बड़े हिस्से के लिए वाम-कांग्रेस गठबंधन से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा।'' उत्तर बंगाल में तीन सीट पर वाम-कांग्रेस गठबंधन के उम्मीदवारों को भाजपा उम्मीदवारों की जीत के अंतर से अधिक वोट मिले। मंगलवार को घोषित चुनाव परिणामों के अनुसार, रायगंज में भाजपा के कार्तिक चंद्र पॉल को 5,60,897 वोट मिले और उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी एवं तृणमूल कांग्रेस के कृष्णा कल्याणी को 4,92,700 वोट मिले। पॉल 68,197 मतों के अंतर से जीते। वाम-कांग्रेस गठबंधन के उम्मीदवार अली इमरान रम्ज़ को 2,63,273 वोट मिले।

बालूरघाट में भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष एवं उम्मीदवार सुकांत मजूमदार को 5,74,996 वोट मिले, जबकि तृणमूल कांग्रेस के बिप्लब मित्रा को 5,64,610 वोट मिले। मतों का अंतर 10,386 रहा। वाम-कांग्रेस उम्मीदवार जॉयदेब सिद्धांत को 54,217 वोट मिले। भाजपा के खगेन मुर्मू ने तृणमूल कांग्रेस के प्रसून बनर्जी को हराकर 77,708 मतों के अंतर से मालदा उत्तर सीट बरकरार रखी। इस क्षेत्र में वाम-कांग्रेस गठबंधन को 3,84,764 वोट मिले। प. बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने आरोप लगाया वाम-कांग्रेस गठबंधन ने उत्तर बंगाल में तीन सीट जीतने में भाजपा की मदद की।

बिहार: लोस चुनाव के अंतिम चरण में खराब प्रदर्शन राजग के लिए घातक साबित हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण में खराब प्रदर्शन के कारण बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सीट में कमी आयी जबकि विपक्षी महागठबंधन अपनी स्थिति में सुधार लाने में सफल रहा। बिहार की कुल 40 लोकसभा सीट में से 30 सीट ही इसबार भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) जीत पाया जो 2019 में 39 की तुलना में भारी गिरावट है तथा 2014 (31) और 2009 (32) की तुलना में भी कम है। राजग बिहार में 2005 से शासन कर रहा है और उसने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जैसे मजबूत सहयोगी के नेतृत्व में ''मोदी लहर'' के आगमन से पहले भी बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था।

जब मोदी लहर आई तो उसने यह सुनिश्चित किया कि जदयू अध्यक्ष कुमार के राजग में न होने के बावजूद इस गठबंधन का पलड़ा भारी रहे। विपक्षी गठबंधन ''इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस(इंडिया)'' इसबार के चुनाव में बिहार में कुल नौ सीट जीतीं, जबकि एक सीट निर्दलीय के खाते में गई। लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण के तहत एक जून को जिन आठ निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान हुआ, उनमें से छह सीट राजद-कांग्रेस-वाम गठबंधन के पास चली गयीं। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन (भाकपा माले) ने इसबार दो सीट जीतीं हैं। इस लोकसभा चुनाव में इसका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। भाकपा माले के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''भले ही बिहार में 'इंडि' गठबंधन ने खराब प्रदर्शन किया हो, लेकिन सबसे अच्छा प्रदर्शन एक बार फिर बिहार के शाहाबाद और मगध क्षेत्र में रहा है। पिछले दिनों इस क्षेत्र में जिन आठ सीट पर मतदान हुआ, उनमें से 'इंडि' गठबंधन ने छह पर जीत हासिल की और अन्य दो पर कड़ी टक्कर दी।'' भाकपा माले ने नालंदा समेत तीन सीट पर चुनाव लड़ा था। वह इनमें से राजग की दो महत्वपूर्ण सीट-- आरा और काराकाट पर कब्जा करने में सफल रही। नालंदा नीतीश कुमार का गृह क्षेत्र है। भाकपा माले ने केंद्रीय मंत्री और दूसरी बार भाजपा सांसद रहे आर के सिंह से आरा सीट छीन लेने के साथ काराकाट में मशहूर भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह को भी परास्त किया। काराकाट सीट 2014 में पूर्व केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने जीती थी और इसबार के चुनाव में उनके पक्ष में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से लेकर राजग के कई स्टार प्रचारकों द्वारा रैलियां किए जाने के बावजूद इसे वह वापस जीतने में असफल रहे। भट्टाचार्य इस बात से खुश दिखे कि उनकी पार्टी ने ''लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के लिए लड़ने वाली ताकतों की एकता और दावे को आकार देने में अहम भूमिका निभाई'' है।

सकारात्मक सोच के साथ 'इंडि' गठबंधन की बैठक में शामिल होगी टीएमसी : तृणमूल नेता अभिषेक बनर्जी

कोलकाता/भाषा। नई दिल्ली में विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडि') गठबंधन की अहम बैठक में भाग लेने के लिए रवाना होने से पहले तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने बुधवार को कहा कि वह सकारात्मक सोच के साथ बैठक में शामिल होंगे। डायमंड हार्बर के सांसद ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ममता बनर्जी को बैठक में शामिल होने के लिए 'इंडि' गठबंधन के नेताओं की ओर से निमंत्रण मिला है।

अभिषेक बनर्जी ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''पहले हमें बैठक करने दीजिये। लौटने के बाद मैं बैठक का विवरण आपके (मीडिया) साथ साझा करूंगा। मैं सकारात्मक सोच के साथ बैठक में हिस्सा लेने को उत्साहित हूं।'' सरकार बनाने की रणनीति पर फैसला करने के लिए बुधवार शाम को दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर 'इंडि' गठबंधन के नेताओं की बैठक होगी। अभिषेक बनर्जी ने कहा, ''जनता के फैसले ने साबित कर दिया है कि राजग की स्थिति कमजोर है, जबकि 'इंडि' गठबंधन एकजुट है।''

मेरी कोशिश होगी कि अमेठी में 'अमानत में खयानत' नहीं हो : किशोरी लाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उत्तर प्रदेश के अमेठी से नवनिर्वाचित लोकसभा सदस्य किशोरी लाल शर्मा ने बुधवार को कहा कि इस संसदीय क्षेत्र में उनकी विजय स्थानीय जनता और 'गांधी परिवार' की जीत है तथा उनका यह प्रयास होगा कि 'अमानत में खयानत' नहीं हो।

शर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ विशेष बातचीत में इस धारणा को खारिज कर दिया कि उन्होंने केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को हराकर 2019 में राहुल गांधी की हार का बदला लिया है। उन्होंने कहा, ''राजनीति में बदला नहीं होता है, क्योंकि एक हारता है और दूसरा जीतता है।'' किशोरी लाल शर्मा ने ईरानी को एक लाख 67 हजार 196 मतों से पराजित किया।

वह जीत के बाद पहली बार दिल्ली पहुंचे थे। उन्होंने यहां कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा से मुलाकात की। शर्मा ने रायबरेली से राहुल गांधी की जीत का प्रमाणपत्र भी उन्हें सौंपा।

शर्मा ने कहा कि यह उनकी निजी राय है कि राहुल गांधी को रायबरेली सीट से इस्तीफा नहीं देना चाहिए।

राहुल गांधी इस बार रायबरेली और वायनाड दोनों क्षेत्रों से निर्वाचित हुए हैं।

अमेठी से जीत के बारे में पूछे जाने पर शर्मा ने कहा, ''यह अमेठी की जनता और गांधी परिवार की जीत है...अमेठी गांधी परिवार की अमानत है। मैं कोशिश करूंगा कि अमानत में खयानत नहीं हो (भरोसा नहीं टूटे)।''

'डेमोक्रेसी' को 'डेमो-कुर्सी' बनाना चाहते हैं नरेन्द्र मोदी: कांग्रेस

नई दिल्ली/ भाषा। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस्तीफे के बाद उन पर निशाना साधते हुए बुधवार को कहा कि देश ने मोदी के खिलाफ जनादेश दिया, लेकिन वह 'डेमोक्रेसी' (लोकतंत्र) को 'डेमो-कुर्सी' बनाना चाहते है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने 1962 के बाद किसी सरकार के तीसरी बार सत्ता में लौटने के प्रधानमंत्री मोदी की टिप्पणी लेकर भी उन पर कटाक्ष किया और कहा कि पं. जवाहरलान नेहरू 1952 में 364 सीटों के साथ, 1957 में 371 सीटों के साथ और 1962 में 361 सीटों के साथ प्रधानमंत्री चुने गए थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को इस्तीफा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंप दिया, जिसे राष्ट्रपति ने स्वीकार कर लिया और उनसे नई सरकार के कार्यभार संभालने तक पद पर बने रहने को कहा। रमेश ने पोस्ट किया, ''निवर्तमान प्रधानमंत्री अब कार्यवाहक प्रधानमंत्री बन चुके हैं। देश ने इनके ख़िलाफ़ प्रचंड जनादेश दिया है। लेकिन ये डेमोक्रेसी को 'डेमो-कुर्सी' बनाना चाहते हैं।'' उन्होंने कहा, कार्यवाहक प्रधानमंत्री अपनी सिकुड़ी हुई छाती ठोक रहे हैं और दावा कर रहे हैं कि 1962 के बाद से कोई भी सरकार लगातार तीन बार दोबारा नहीं चुनी गई है।

'इंडि' गठबंधन के पूर्व सहयोगियों से संपर्क साधने को लेकर तेजस्वी बोले 'इंतजार करें और देखें'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के विपक्षी गठबंधन में शामिल होने को लेकर संदेह के बीच राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार को लोगों से कहा कि वे 'इंतजार करें और देखें'।

यादव एक ही विमान में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ पटना से दिल्ली पहुंचे। यादव ने इन अटकलों के बारे में पूछा गया कि क्या उन्हें (नीतीश कुमार को) विपक्षी खेमे में लाने की कोशिश की गई। तब

उन्होंने कहा कि विमान में उनकी बातचीत शिष्टाचार के आदान-प्रदान तक ही सीमित थी। यह पूछे जाने पर कि क्या विपक्ष सरकार बनाने का दावा करने के लिए पर्याप्त संख्या बल जुटाने की कोशिश कर रहा है, यादव ने कहा, हम आज बैठक के लिए आए हैं। धैर्य रखें, प्रतीक्षा करें और देखें कि क्या होता है।

यादव ने यह भी कहा कि बिहार इस चुनाव में किंगमेकर के रूप में उभरा है और उम्मीद है कि किंगमेकर यह सुनिश्चित करेगा कि नई सरकार बिहार को विशेष दर्जा दे, देशभर में जाति जनगणना कराए और बिहार में 75 प्रतिशत आरक्षण को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करे, ताकि इसे न्यायिक समीक्षा से छूट मिल जाए। उन्होंने कहा, बिहार किंगमेकर के रूप में उभरा है। जो भी सरकार आए, किंगमेकर को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बिहार को विशेष दर्जा मिले, हमने जो 75 प्रतिशत आरक्षण दिया है उसे नौवीं अनुसूची के तहत लाया जाए और पूरे देश में जाति आधारित जनगणना कराई जाए।

बुधवार शाम को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर 'इंडि' गठबंधन के नेताओं की बैठक होगी, जिसमें सरकार बनाने की रणनीति पर फैसला लिया जाएगा।

पावरलिफ्टर संदीप कौर पर डोपिंग मामले में दस साल का प्रतिबंध

नई दिल्ली/भाषा। नाडा की डोपिंग निरोधक अनुशासन पैनल (एडीडीपी) ने पावरलिफ्टर संदीप कौर पर प्रतिबंधित दवाओं के इस्तेमाल के दूसरे अपराध के कारण दस साल का प्रतिबंध लगा दिया है। पंजाब की 31 वर्ष की पावरलिफ्टर संदीप पर डोपिंग के दूसरे अपराध के लिये आठ साल का प्रतिबंध लगाया गया और अतिरिक्त दो साल उनके नमूनों में कई प्रतिबंधित पदार्थ पाये जाने के कारण लगाया है। पहली बार उन्हें 2019 में स्टानोजोलोल के सेवन का दोषी पाया गया था। कौर अगस्त में 4 साल के प्रतिबंध के बाद लौटी है। वह काशीपुर में राष्ट्रीय सीनियर महिला पावरलिफ्टिंग चैम्पियनशिप में ओपन 69 किलो वर्ग में तीसरे स्थान पर रही थी। प्रतिस्पर्धा के दौरान लिये गए उनके मूत्र के नमूनों में नोरांड्रोस्टेरोन, मेटांडियेनोन और मेफेंटरमाइन के अंश पाये गए। एडीडीपी ने सभी पक्षों को सुनने के बाद कहा कि कौर यह बता नहीं सकी है कि ये पदार्थ उनके शरीर में कैसे गए।

आर अश्विन की सीएसके परिवार में वापसी, हाई परफॉर्मेंस केंद्र और अकादमी की मिली कमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के अनुभवी ऑफ स्पिनर आर अश्विन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) हाई परफॉर्मेंस सेंटर की कमान संभालने के लिए तैयार हैं, जिससे संभवत: उस फ्रेंचाइजी में उनकी वापसी का रास्ता साफ हो जाएगा जिसने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई।

सीएसके के सीईओ कासी विश्वनाथन ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि अश्विन केंद्र के साथ-साथ भारत और विदेशों में टीम की

विभिन्न अकादमियों की भी जिम्मेदारी संभालेंगे। उन्होंने कहा, ''अश्विन भारत और तमिलनाडु के महान खिलाड़ियों में से एक हैं और उनकी उपस्थिति से हाई परफॉर्मेंस केंद्र और हमारी अकादमियों को बड़ा बढ़ावा मिलेगा।'' यह केंद्र चेन्नई के बाहरी इलाके में स्थित है।

सैंतीस साल के अश्विन हाल ही में अनिल कुंबले के बाद टेस्ट में 500 विकेट लेने वाले भारत के दूसरे गेंदबाज बने है। वह इंडियन प्रीमियर लीग में 2009 से 2015 तक सीएसके टीम का हिस्सा रहे थे।

आईपीएल के लिए इस साल बड़ी नीलामी होनी है और ऐसे में अगर अश्विन बोली का हिस्सा होते है तो सीएसके उन्हें अपनी टीम से जोड़ने की कोशिश कर सकती है। अश्विन 2022 सत्र से राजस्थान रॉयल्स टीम के सदस्य है। आईपीएल नीलामी में अश्विन को टीम से जोड़ने के बारे में पूछे जाने पर विश्वनाथ ने कहा, '' नीलामी में चीजें हमारे नियंत्रण में नहीं होती है। हम इस बारे में तब देखेंगे।''

सीएसके के करिशमाई खिलाड़ी और भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के भविष्य के बारे में पूछे जाने पर विश्वनाथ ने कहा, ''इस बारे में सिर्फ वही कोई फैसला ले सकते है। हम और उनके प्रशंसक चाहेंगे की वह खेलें लेकिन आखिर में यह उनका फैसला ही होगा और हम उसका सम्मान करेंगे।'' धोनी ने पिछले सत्र की शुरुआत में टीम के नेतृत्व की जिम्मेदारी रुतुराज गायकवाड़ को सौंप दी थी।

यह सिर्फ मेरे आखिरी मैच के बारे में नहीं है: छेत्री ने अंतरराष्ट्रीय संन्यास की पूर्व संध्या पर कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय फुटबॉल टीम के करिश्माई खिलाड़ी सुनील छेत्री ने बुधवार को अपने आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच को लेकर चल रही सुर्खियों को कम महत्व देते हुए यहां कुवैत के खिलाफ टीम के अहम फीफा विश्व कप क्वालीफायर पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश की।

भारत अगर गुरुवार को खेले जाने वाले इस मैच को जीत जाता है तो फीफा विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में उसकी जगह लगभग पक्की हो जायेगी। फीफा विश्व कप का आयोजन 2026 में अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होना है। इस में भाग लेने वाली एशिया की टीम का फैसला तीसरे चरण के क्वालीफायर के बाद होगा। छेत्री ने पिछले महीने घोषणा की थी कि कुवैत के खिलाफ फीफा क्वालीफायर का दूसरे चरण का मैच अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में उनका आखिरी मैच होगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 19 साल तक भारतीय फुटबॉल का चेहरा रहे इस खिलाड़ी ने कुवैत के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर कहा, ''मुझे लगता है कि हममें से ज्यादातर लोग 20 दिन पहले ही मिल चुके हैं और हमने मेरे करियर की आखिरी मैच की बात कर ली है। यह हो चुका है। हम यहां केवल और केवल कुवैत और भारत के बारे में बात करने के लिए आए हैं।''

सुविचार

जो होने वाला है वह होकर ही रहता है, और जो नहीं होने वाला बहुत वह कभी नहीं होता, ऐसा निश्चय जिनकी बुद्धि में होता है, उन्हें चिंता कभी नहीं सताती।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

क्या कहता है जनादेश?

लोकसभा चुनाव नतीजों से ऐसा जनादेश निकला, जिसने सभी की झोली में कुछ–न–कुछ डालकर उन्हें खुशी का मौका दे दिया। हालांकि उसने भाजपा को थोड़ा झटका दिया, लेकिन सरकार बनाने की भरपूर गुंजाइश भी छोड़ी। राजग ने सरकार बनाने की दिशा में कदम बढ़ा भी दिया, नरेंद्र मोदी को सर्वसम्मति से अपना नेता चुन लिया। कांग्रेस इसलिए हर्षित है, क्योंकि उसकी सीटों में जोरदार बढ़ोतरी हुई है। हालांकि वह '99 के फेर' में फंसकर रह गई। अगर उसके पास ज्यादा संख्याबल होता तो उसकी स्थिति और मजबूत होती। समाजवादी पार्टी (सपा) ने अपने शानदार प्रदर्शन से सबको चौंका दिया। इससे पार्टी पर अखिलेश यादव की पकड़ मजबूत होगी। वे अपने कुनबे और संगठन को यह संदेश देने में सफल रहे हैं कि उनमें पार्टी को आगे लेकर जाने की क्षमता है। तृणमूल कांग्रेस ने अपनी खोई हुई सीटें दोबारा हासिल कर लीं। इससे पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की स्थिति मजबूत होगी। तेदेपा और जदयू का राष्ट्रीय राजनीति में रसूख बढ़ गया। शिवसेना (यूबीटी) और राकांपा (शरद पवार) का शीर्ष नेतृत्व इस बात को लेकर खुशी मना सकता है कि उनकी साख और धाक उतनी कमजोर नहीं हैं, जितना माना जा रहा था। जिन दलों की सीटें कम आईं या नहीं आईं, वे भी खुश हो सकते हैं कि जनता ने उन्हें इतने वोट जरूर दिए, जिनसे अन्य उम्मीदवारों की हार–जीत का फैसला हुआ। इन नतीजों में उनकी भूमिका की उपेक्षा नहीं की जा सकती। उन नेताओं और बुद्धिजीवियों के लिए भी अच्छी खबर है, जो कल तक ईवीएम में खोट ढूंढ़ते थे। उम्मीद है कि अब उन्हें ईवीएम में खूबियां नजर आने लगेंगी!

इस बार लोगों ने नोटा को भी खूब वोट दिए। इससे दो तरह के संकेत मिलते हैं– 1. जनता में राजनीति को लेकर जागरूकता बढ़ रही है। वह सभी दलों और उम्मीदवारों के दावों और वादों को नकार कर बेहतर लोगों की मांग कर रही है। 2. देशभर में जितने लोगों ने नोटा को वोट दिया, उनकी आवाज उठाने वाला लोकसभा में कोई प्रतिनिधि नहीं गया। कई सीटों पर तो नोटा को इतने वोट मिले, जितना हार–जीत का अंतर नहीं था। नोटा का बढ़ता चलन यह कहता है कि मतदाताओं का एक वर्ग राजनीतिक दलों और नेताओं की कार्यशैली से खुश नहीं है। पूरे देश में नोटा के हिस्से में 63 लाख से ज्यादा वोट आए हैं। यह बहुत बड़ा आंकड़ा है। कहीं यह उस सोच (मैं किसी को वोट क्यों दूं, एक वोट से क्या हो जाएगा?) की तो प्रतिध्वनि नहीं है, जो लोकसभा चुनाव के विभिन्न चरणों में भी सुनाई दी थी? आज मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग यह मानता है कि वे लोग वोट दें या न दें, उससे देश को कोई फर्क नहीं पड़ेगा! मतदान प्रतिशत कम रहने से नतीजों पर असर पड़ता ही है। अगर राजस्थान की बात करें तो शेखावाटी समेत कुछ सीटों पर मतदाताओं ने खास उत्साह नहीं दिखाया था। बहुत लोग यह कहते नजर आए थे कि 'नेता हमारा कौनसा भला कर देंगे?' मतदाताओं की उदासीनता, राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों से 'मोहभंग' की यह स्थिति कालांतर में ऐसी सरकार के निर्माण की स्थितियां पैदा करती है, जिनमें किसी दल के पास स्पष्ट बहुमत नहीं होता। जाहिर है कि ऐसी सरकारें दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ बड़े फैसले लेने से हिचकती हैं। गठबंधन की बंदिशें उन्हें कई फैसलों से रोकती हैं। देश में जिस राजनीतिक दल की सरकार बने, पूर्ण बहुमत से बने। इसके लिए जरूरी है कि मतदान प्रतिशत बढ़ाया जाए। मतदाताओं को प्रोत्साहित करने के लिए तकनीकी और कानूनी स्तर पर जो उपाय किए जा सकते हैं, वे किए जाएं। अधूरा जनादेश भारत के विकास को वह रफ्तार नहीं दे सकता, जिसकी आज हमें बेहद जरूरत है।

ट्वीटर टॉक

आज विश्व पर्यावरण दिवस पर मुझे एक पेड़ मां के नाम अभियान शुरू कर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। मैं देशवासियों के साथ ही दुनियाभर के लोगों से आग्रह करता हूं कि वे अपनी माँ के साथ मिलकर या उनके नाम पर एक पेड़ जरूर लगाएं।

–नरेन्द्र मोदी

जलवायु परिवर्तन और उससे उपजी परिस्थितियां से आज संपूर्ण विश्व चिंतित है। ऐसे में प्रकृति उपासक हम भारतीय ही विश्व को इस चुनौती का सामना करने की राह दिखा सकते हैं। आज विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पौधा अवश्य लगाएं।

–ओम बिरला

हनुमानगढ़–श्रीगंगानगर सीट से विजयी हुए श्री कुलदीप इंदौरा जी ने पीसीसी पहुंचकर शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर इंदौरा जी को लोकसभा सदस्य निर्वाचित होने की हार्दिक बधाई दी। आपके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना करता हूं।

–गोविंदसिंह डोटासरा

प्रेरक प्रसंग

संकल्प की जीत

जेसी ओवेन्स दस भाई–बहनों में सबसे छोटे थे। उनका जन्म 12 सितम्बर, 1913 को अलबामा में हुआ था। उन्होंने अपने युवा काल में जूतों की मरम्मत से लेकर किराने तक के कार्य किए। लेकिन उनका इन कार्यों में मन नहीं लगता। जेसी बहुत तेज उछल–कूद करते थे और दौड़ते थे। वे अपने कामकाज के दौरान भी कूदते हुए कार्य करते थे। एक दिन उन्होंने महसूस किया कि उन्हें दौड़ने एवं कूदने का जुनून है। आखिर उन्होंने इसका अभ्यास करना प्रारंभ कर दिया। उनकी मेहनत रंग लाई। जल्दी ही वे राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध हो गए। उन दिनों वे ईस्ट टेक्निकल हाई स्कूल के विद्यार्थी थे। उनका खेल कई खिलाड़ियों से श्रेष्ठ था। फिर भी उन्हें बार–बार दरकिनार कर दिया जाता था। इसका प्रमुख कारण उनका अफ्रीकी अमेरिकी नागरिक होना था। उन दिनों इस खेल में नाजीवादी जर्मनी के जर्मन खिलाड़ियों को बेहद सम्मान दिया जाता था जबकि अश्वेत होने के कारण जेसी के साथ पक्षपातपूर्ण व्यवहार किया जाता था। यह देखकर जेसी ने दृढ़ निश्चय किया कि वे अपने खेल में उत्कृष्टता की ऐसी मिसाल कायम करेंगे जहां पूरा विश्व उन्हें उनके श्रेष्ठ खिलाड़ी होने के कारण याद रखेगा।

सामयिक

एनडीए की जीत और भाजपा की हार का सबक

बाल मुकुंद ओझा

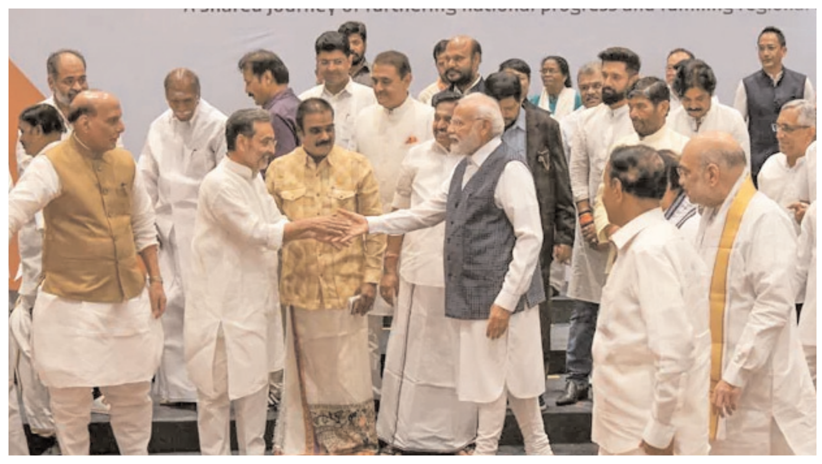

लोकसभा चुनाव के सभी परिणाम घोषित होने के साथ ही सियासी सरगर्मियां एकाएक ही बहुत तेज़ हो गयी है। एनडीए को चुनाव में स्पष्ट बहुमत मिल गया है मगर कांग्रेस नीत इंडि गठबंधन भी सत्ता में आने के लिए हाथपैर मारने शुरू कर दिए है। कांग्रेस उम्मीद कर रही है एनडीए के कुछ सहयोगी दल उनके साथ आ जायेंगे। इसके लिए प्रधानमंत्री पद का लालच भी दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा चुनाव में एनडीए को सत्ता में फिर काबिज करने में जरूर सफल हुए है मगर भाजपा को बहुंमत दिलाने में कामयाब नहीं हुए। 400 पार का नारा लेकर चलने वाली भारतीय जनता पार्टी के लिए चुनावी नतीजे उम्मीद के मुताबिक नहीं रहे। 2019 लोकसभा चुनाव में 303 सीटें जीतने वाली बीजेपी इस बार 240 पर सिमट गई। पार्टी को कई राज्यों में भारी नुकसान उठाना पड़ा है। चुनाव में छऊ- के लिए एक अच्छी बात ये रही कि 6 राज्यों में उसने 80 फीसदी से ज्यादा सीटें जीत लीं। ये राज्य हैं– गुजरात, मध्य प्रदेश, दिल्ली, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओड़िशा। इन छह राज्यों की 118 में से 111 सीटें जीत लीं। वहीं, खछ्ञ्ख– ब्लॉक सिर्फ केरल और तमिलनाडु में ही 80 प्रतिशत से ज्यादा सीट जीत सका। अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीटों पर भी छऊ- को जितना नुकसान हुआ है, उससे ज्यादा फायदा खछ्ञ्ख– ब्लॉक को हुआ। एससी बहुल 156 सीटों में एनडीए ने 57 तो इंडि ब्लॉक ने 93 सीटें जीतीं। पिछले चुनाव से तुलना की जाए तो छऊ- को एससी बहुल 34 सीटें हार गई, जबकि इंडि ब्लॉक ने 57 सीटें ज्यादा जीतीं।

मोदी द्वारा मुसलमानों के आरक्षण के खिलाफ किये गए आह्वान से मुस्लिम वोट उनसे पूरी तरह छिटक गए मगर आशा के विपरीत हिन्दू वोट पूरी तरह भाजपा के पक्ष में गोलबंद नहीं हुए। इसके अलावा कुछ अन्य जातियों ने भी मोदी का साथ नहीं दिया। विशेषकर हिंदी पट्टी के उत्तर भारत की मार्शल कही जाने वाली जातियों ने भाजपा के पक्ष में मतदान नहीं किया। इसके फलस्वरूप उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में भाजपा को मुंह की खानी पड़ी। यूपी में यादव और मुसलमानों के साथ कुछ पिछड़ी जातियों ने समाजवादी पार्टी के पक्ष में मतदान किया। वहीं राजस्थान और हरियाणा में जाटों ने कांग्रेस के पक्ष में एक मुश्त मतदान किया। राजपूत समाज भाजपा का वोट बैंक माना जाता है, लेकिन इस बार राजपूत भाजपा से नाराज थे। इसका कुछ फायदा कांग्रेस को भी मिला। मराठा ने महाराष्ट्र में एनडीए का साथ नहीं दिया। इसके बावजूद भाजपा ने कई राज्यों में अपनी ताकत का एहसास कराया। उड़ीसा में बीजू पटनायक से सत्ता छीन ली। बिहार में अपना वजूद बनाये रखा। अपने सहयोगी टीडीपी से मिलकर आंध्रा में जगन रेड्डी से सत्ता छीन ली। एनडीए ने आंध्र प्रदेश सहित सहित ओडिशा, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश में भी जीत हासिल की है। इन राज्यों में कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया है। मोदी को तीसरी बार प्रधानम मंत्री पद पर काम करने का मौका अवश्य मिला है। मोदी ने नेहरू के समकक्ष अपना कद बढ़ा लिया है। कांग्रेस भी 100 का आंकड़ा हासिल नहीं कर पायी। लोकसभा चुनाव में चंद्र बाबू नायडू और नीतीश कुमार किंग मेकर की भूमिका में आ गए है। इंडि गठबंधन के नेताओं ने दोनों नेताओं पर डोरे डालने शुरू कर दिए है। हालाँकि दोनों नेताओं ने एनडीए के साथ ही रहने की घोषणा कर दी है। भारत निर्वाचन आयोग ने लोकसभा के सभी 543 निर्वाचन क्षेत्र के लिए अंतिम परिणाम जारी कर दिये हैं, जिसमें भारतीय जनता पार्टी को 240 और कांग्रेस को 99 सीटों पर विजयी घोषित किया गया है। भाजपा और आरएसएस ने भाजपा के अकेले बहुमत हासिल नहीं करने की समीक्षा शुरू कर दी है। हालाँकि हार की विस्तृत समीक्षा से ही हार के वास्तविक कारणों का पता चलेगा। नई सरकार के साथ पार्टी संगठन में नई नियुक्तियों पर मंथन शुरू कर दिया है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्य मंत्री शिवराज सिंह चौहान की नई भूमिका भी तलाशी जारी है। शिवराज को पार्टी अध्यक्ष अथवा सरकार में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी से नवाजा जायेगा। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सरीखे नेताओं को फिर सक्रीय करने पर विचार किया जा रहा है। चुनाव परिणामों को देखने पर ज्ञात होता है अटल जी तरह मिलीजुली सरकार का टाइम एक बार फिर शुरू हो गया है। इस चुनाव की एक बात यह भी खास रही कि खबरिया चैनलों के एग्जिट पोल भी इस चुनाव में सिरे से खारिज हो गए।

चिंतन

भाजपा को सबक, विपक्ष को संजीवनी

सुरेश हिंदुस्तानी

देश में हुए लोकसभा चुनाव के परिणाम आ चुके हैं। ये चुनाव परिणाम कई मायनों में महत्वपूर्ण सन्देश देने वाले कहे जा सकते हैं। इसमें पहली बात यह है कि भारतीय जनता पार्टी ने चार सौ पार का नारा दिया, उसने एक बार फिर से इंडिया शाइनिंग वाले 2004 के चुनाव की याद याद दिला दी। यह संतोष की बात कही जा सकती है कि राजग को सरकार बनाने लायक़ बहुमत प्राप्त हो गया है। इस चुनाव परिणाम को भाजपा के लिए एक बड़े सबक के रूप में देखा जा रहा है, जबकि अपने राजनीतिक अस्तित्व को बचाने के लिए पिछले दस वर्षों से संघर्ष करने वाले विपक्ष को कायाकल्प करने वाली संजीवनी मिलने के रूप में देखा जा रहा है। भाजपा वाले गठबंधन ने भले ही बहुमत का आंकड़ा प्राप्त कर लिया है, लेकिन खुद भाजपा के नेता इसे जीत के रूप में प्रचारित करने का साहस नहीं जुटा पा रहे है। इसके विपरीत इंडी गठबंधन तो ताल ठोकते हुए इसे भाजपा की हार बता रहा है। यह सही है कि चुनाव में राष्ट्रीय जनतान्त्रिक गठबंधन को अपेक्षित सफलता नहीं मिली, लेकिन सरकार बनाने लायक़ सीट की संख्या उसके पास है। इसलिए इसमें कोई संदेह नहीं कि भाजपा के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार सरकार बनने जा रही है। इसलिए इस जीत को कई मायनों में ऐतिहासिक ही माना जाएगा। आज मोदी उस कतार में शामिल हो गए हैं, जो उन्हें औरों से अलग बनाते हैं।

भाजपा को सबसे बड़ा झटका उत्तरप्रदेश ने दिया है। यहां दो लड़कों की जोड़ी ने भाजपा की उड़ान की गति को बहुत हद तक रोकने में सफलता प्राप्त की है। हम जानते हैं कि जिस प्रकार से समाचार चैनलों ने स्पष्ट रूप से भाजपा की बहुमत वाली सरकार बनाने का पूर्वानुमान दिखाया था, वह परिणाम से मेल रखने वाला नहीं रहा। देश के विपक्षी दलों यह आरोप लगाकर इस एग्जिट पोल को पूरी तरह से खारिज कर दिया। कांग्रेस की ओर से यह दावा भी किया गया था कि इंडी गठबंधन को 290 सीटें मिलेंगी और बहुमत की सरकार बनेगी। सबको यही लग रहा था कि कांग्रेस के दावे में दम नहीं है, लेकिन चुनाव के परिणाम ने यह जाहिर कर दिया कि उनके दावे में दम था। दावे में जो सीटों की संख्या बताई गई थी इंडी गठबंधन उस आंकडे से बहुत पीछे रह गया, लेकिन इंडी गठबंधन के कई प्रत्याशी बहुत कम अंतर से पराजित हुए हैं, इसे भी अप्रत्याशित बढ़त के रूप में ही देखा जा रहा है। इंडी गठबंधन के लिए सबसे ज्यादा सुकून देने वाली बात यह भी है कि उसने भाजपा के 400 पार वाले दावे की हवा निकाल दी।

भाजपा गठबंधन घिसटते घिसटते 300 के पार भी नहीं जा सकी। इसे इस रूप में भी देखा जा रहा है कि अकेले मोदी के नाम पर चुनाव नहीं जीता जाता, जीतने के लिए प्रत्याशी भी अच्छा होना चाहिए। कहा जा रहा है कि भाजपा इस मामले में चूक गई। भाजपा के लिए चिंतन का मुद्दा यह है कि उसके मूल कार्यकर्ता इस चुनाव से दूर रहे। भाजपा नेतृत्व ने जितना भरोसा बाहर से आए नेताओं पर किया, उतना अपने पुराने कार्यकर्ताओं पर नहीं किया। बाहर से आए नेता केवल दिखावा करते रहे और भाजपा के पुराने कार्यकर्ताओं की अनदेखी की गई। जिसके कारण भाजपा का समर्थक मतदाता मतदान केंद्र तक पहुँच ही नहीं सका। यह भी भाजपा के लिए एक बड़ा अवरोधक बनता दिखाई दिया, जबकि इंडी गठबंधन के नेता यह योजना बनाकर मैदान में थे कि अधिक मतदान कराने का प्रयास किया जाए। उत्तरप्रदेश में सपा और कांग्रेस के गठबंधन को मिली सफलता इस बात का परिचायक है कि इन दोनों दलों ने मुस्लिम और यादव मतों पर ज्यादा मेहनत की। इसके अलावा पिछड़े वर्ग के मतदाताओं को भी अपने पाले करने के लिए मेहनत की।

इसी मेहनत ने अपेक्षित परिणाम दिए। यहां यह उल्लेख करना भी महत्वपूर्ण होगा कि इस बार मायावती की बहुजन समाज पार्टी ने इंडी गठबंधन के लिए विजय के द्वार खोलने में मदद की। ऐसा नहीं है कि उनकी मदद करने की मंशा थी, वह मदद नहीं करना चाहती थीं, लेकिन अजा, जजा और पिछड़े वर्ग का जो वोट भाजपा को मिलना था, वह इस बार भाजपा को नहीं मिला। इसे भी भाजपा की हार के रूप में देखा जा रहा है। वैसे राजनीतिक दृष्टि से आंकलन किया जाए तो यह भाजपा की बड़ी जीत ही कहा जाएगा, क्योंकि भाजपा के नेतृत्व वाले राजग गठबंधन ने तीसरी बार सत्ता को अपने पास रखा है। इंडी गठबंधन भी इसलिए सक्रिय हो गया है, क्योंकि अगर किसी भी स्थिति में बिल्ली के भाग्य से छींका टूट गया तो मलाई खाने का अवसर मिल सकता है।

परिणामों के बाद अब इसमें कोई संदेह नहीं है कि राजग की सरकार बनेगी, साथ ही एक मजबूत विपक्ष भी होगा। इसलिए अब भाजपा नीत सरकार को बेहद सधे कदमों से चलना होगा। जैसा कि सभी जानते हैं कि ज़ब विपक्ष कमजोर रहा, तब उन्होंने संसद को कई बार बाधित किया। चूँकि अब विपक्ष मजबूत है तो इस बात की बहुत ज्यादा संभावना बन जाती है कि वे छोटी छोटी बातों पर संसद को बाधित कर सकते हैं।

यह बात सही है कि नरेन्द्र मोदी की सरकार ने राजनीतिक भ्रष्टाचार पर बहुत हद तक सफलता प्राप्त की है, और अपने तीसरे कार्यकाल में भी भ्रष्टाचार को समाप्त करने का संकल्प दोहराया है। हम जानते हैं कि विपक्ष के कई बड़े राजनेता भ्रष्टाचार के आरोप को झेल रहे हैं। इनमें से कई जमानत पर बाहर हैं। इसलिए यह भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सरकार का साथ देंगे, इसकी गुंजाइश कम ही है। लेकिन यह सच है कि भारत में भ्रष्टाचार का निर्मूलन होना ही चाहिए। यह देश को अच्छा बनाने का कदम है, जिसके लिए सभी दलों को साथ देना चाहिए। जहाँ तक राजनीति की बात है तो लोकसभा चुनावों के दौरान जिस प्रकार से प्रचार किया गया, उसमें नकारात्मकता अधिक देखी गई। रचनात्मक विरोध तो कहीं भी देखने को नहीं मिला। लेकिन अब चूँकि चुनाव समाप्त हो गए हैं और परिणाम भी आ चुके हैं, इसलिए अब नकारात्मक राजनीति से सभी दलों को तौबा करने की ओर कदम बढ़ाने चाहिए। क्योंकि अब विरोध करने का नहीं, बल्कि देश को बनाने का समय है।

नजरिया

बसपा के इस हश्र का जिम्मेदार कौन?

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

लोकसभा चुनाव 2024 में बहुजन समाज पार्टी की उम्मीदें पूरी तरह चकनाचूर हो गईं। 2019 में 10 सीटें जीतने वाली बसपा को उम्मीद थी कि इस बार भी पार्टी अच्छा प्रदर्शन करेगी, लेकिन ऐसा हो नहीं पाया। इसके पीछे कई वजह है कि इस बार बसपा ने देश भर में अपने बलबूते पर चुनाव लड़ा, जबकि अन्य पार्टियां गठबंधन में चुनाव लड़ रही थीं। बहुजन समाज पार्टी का मत प्रतिशत गिरा और सीटें भी नहीं आईं। बसपा की राह दिन प्रतिदिन कठिन होती जा रही है। साल 2024 के लोकसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी की हालत 2014 जैसी हो गई। पार्टी 10 साल पीछे चली गई। 2014 में बहुजन समाज पार्टी अपने बल पर चुनाव लड़ी थी और एक भी सीट हासिल नहीं कर पाई थी। 2024 में भी पार्टी ने अकेले ही चुनाव लड़ने का फैसला लिया और पार्टी एक भी सीट हासिल नहीं कर पाई। पार्टी की स्थिति बदतर होती जा रही है। पार्टी के देश भर में 483 उम्मीदवार मैदान में उतारे थे जबकि उत्तर प्रदेश में 79 लोकसभा सीटों पर उम्मीदवार मैदान में थे, लेकिन कहीं से भी बहुजन समाज पार्टी के लिए खुशखबरी नहीं आई।

जहाँ रिजल्ट देख कर अधिकतर विरोधी पार्टिया खुश है वहीं बसपा के खेमे में मायूसी फैली है और वो बसपा। बहुजन समाज पार्टी के लिए लोकसभा के नतीजे विधानसभा चुनाव 2022 से भी खराब रहे। विधानसभा में तो कम से कम पार्टी को एक सीट मिल गयी थी। लेकिन, लोकसभा के चुनाव में तो उसका खाता खुलना तो छोड़िए एक भी उम्मीद्वार ऐसा नहीं है जो दूसरे नंबर पर भी हो। ऐसी बुरी गत पार्टी ने पहले नहीं देखी थी। हाल ये है कि उत्तरप्रदेश की सभी 80 सीटों में से हर जगह बसपा या तो तीसरे नंबर पर रही या चौथे नंबर पर। वोटरों ने पार्टी का वो हाल कर दिया कि बसपा शायद ही किसी सीट पर अपनी जमानत बचा पाई। ये हाल उस पार्टी का है जो उत्तरप्रदेश में पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा के बाद दूसरी सबसे बड़ी पार्टी थी। उसने 10 सीटें जीती थीं लेकिन, पांच साल के बाद उसे एक भी सीट नसीब नहीं हुई। बसपा को 10 फीसदी भी वोट नहीं मिले।

पार्टी कि इस हालात की सबसे बड़ी वजह तो यही मानी जा रही है कि गठबंधन के दौर में मायावती ने अकेले लड़ने का फैसला किया। उनके इस फैसले के बाद से ही कहा जा रहा था कि मायावती हारी हुई बाजी लड़ रही है। विधानसभा चुनाव 2022 के रिजल्ट के बाद ये तो तय हो ही गया था कि बसपा उत्तरप्रदेश में भाजपा और सपा से काफी पीछे हो गयी है। इसी वजह से ये माना जा रहा है कि दलित वोटबैंक में बड़ी टूट हुई है। वैसे तो ये टूट पहले से चली आ रही है लेकिन, ऐसा माना जा रहा है कि बसपा का मूल जाटव वोटरों में भी टूट हुई है। बसपा से वे टूटकर भाजपा और सपा की ओर गये लेकिन, बड़ा हिस्सा सपा और कांग्रेस की ओर जाता दिखा। जाटवों के टूटने की स्थिति में और भी दलित जातियों ने पार्टी से मुंह मोड़ लिया। नगीना और सहारनपुर की सीट इसका बढ़िया उदाहरण है। नगीना में आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चन्द्रशेखर आजाद जीते। उन्हें 5 लाख से ज्यादा वोट मिले। इसका साफ मतलब है कि दलित वोटरों ने बसपा को छोड़ आजाद को वोट किया। बसपा इस सीट पर चौथी पोजिशन पर है। उसे 15 हजार भी वोट मिलता नहीं दिखा। सहारनपुर में भी ऐसा ही हुआ है। यहां बसपा तीसरे नंबर पर है। माजिद अली को डेढ़ लाख से थोड़े ज्यादा वोट मिले। इसमें बड़ी संख्या मुसलमानों की मानी जा रही है। यानी दलित वोटबैंक कांग्रेस के इमरान मसूद की ओर गया। इसी वोट की कमी के कारण मसूद कई चुनाव हारे और अब इसे पाकर वे जीत गए। चुनाव के दौरान विपक्षी पार्टियां ये नैरेटिव कायम कर पाने में सफल हो पायीं कि भाजपा आरक्षण और संविधान को खत्म करने पर अमादा है। इसे कांग्रेस और सपा ने जोर–शोर से उठाया लेकिन, आरक्षण और संविधान को लेकर सबसे आगे रहने वाली बसपा के नेता ने इस मुद्दे पर चुप्पी साधे रखी। दलित वोटबैंक में ये संदेश गया कि वाकयी में अब मायावती बहुजन आंदोलन से दूर हो गयी है। आकाश आनन्द को अपना उत्तराधिकारी घोषित करते समय पुराने बहुजन नेताओं ने दबी जुबान यही बातें की थीं।

चुनाव के ऐन पहले आकाश आनन्द को उत्तराधिकारी घोषित करना भी बसपा के लिए घातक ही हुआ माना जा रहा है। बहुजन नेताओं ने अपने काडर को ऐसा कोई संदेश कभी नहीं दिया था। लिहाजा सीनियर लीडर्स और काडर में अंदर ही अंदर नाराजगी थी। खैर, चुनाव में आकाश आनन्द ने अपने भाषणों से माहौल तो खड़ा कर लिया था लेकिन एकाएक मायावती ने उन्हें पीछे खींच लिया। इससे जुड़े कार्यकर्ता भी हताश हो गये। अब उनके पास दूसरी पार्टी की तरफ जाने के अलावा कोई रास्ता न दिखा। इसमें कोई दो राय नहीं कि चुनाव दर चुनाव बसपा टूटती चली जा रही है। चौंकाने वाली बात तो ये है कि अब से पहले ये कभी नहीं कहा गया कि जाटव वोटबैंक में टूट हुई लेकिन, इस बार के चुनाव में वो भी देखने को मिला। जाहिर है, 2027 में होने वाला उत्तरप्रदेश का अगला विधानसभा भी बसपा के लिए निराशाजनक ही रह सकता है। संभव है कि चन्द्रशेखर आजाद के इर्द गिर्द बहुजन जमात सिमटने लगे।

उत्तरप्रदेश में वैसे तो 29 से अधिक सीटें ऐसी हैं जहां दलित वोट बैंक 22 से लेकर 40 फीसदी तक है। इसके बाद भी बसपा एक भी सीट इस चुनाव में नहीं जीत पाई। उदाहरण के रूप में नगीना लोकसभा सीट बसपा पिछली बार जीती थी, लेकिन इस बार यहां से आजाद समाज पार्टी के चंद्रशेखर आजाद चुनाव जीत गए। अंबेडकरनगर में 28 फीसदी दलित वोट है, लेकिन सपा के लालजी वर्मा के साथ यह वोट बैंक जाता हुआ दिखा। खीरी में 23 फीसदी दलित वोट बैंक है, लेकिन यहां भी वह सपा के साथ जाता हुआ दिखाई दिया है। धौरहरा में 25 फीसदी दलित वोट बैंक है, लेकिन यहां भी वह सपा के साथ जाता हुआ दिखा है। मोहनलालगंज में 38 फीसदी दलित वोट में भी अधिकतर सपा–कांग्रेस गठबंधन के साथ ही जाता हुआ दिखा है।

कांशीराम ने उत्तरप्रदेश की राजनीति में जातीय समीकरण का एक ऐसा कॉकटेल तैयार किया था, जिसमें दलितों, अति अति पिछड़ों के साथ मुसमलानों को भी अपने साथ जोड़ा वर्ष 2012 के चुनाव के विधानसभा चुनाव में हार के बाद बसपा से एक–एक कर पुराने नेता जाने लगे। स्वामी प्रसाद मौर्य, आरके चौधरी, नसीमुद्दीन सिद्दीकी, राम अचल राजभर, इंद्रजीत सरोज, लालजी वर्मा जैसे नेता या तो बाहर कर दिए गए या फिर साथ छोड़ गए। यही वजह रही कि बसपा में नंबर दो की हैसियत में कोई नेता नहीं बचा। कॉडर के रूप में पहचानी जाने वाली बसपा की स्थिति यह हो गई कि सभी मतदान केंद्रों पर उसके पास बस्ता लगाने वाले लोग तक नहीं बचे।

बसपा सुप्रीमो ने लोकसभा चुनाव से पहले भतीजे आकाश आनंद को उत्तराधिकारी घोषित समाज के युवाओं को साथ जोड़ने की चाल भी चली। आकाश को दलित आबादी वाले सीटों पर प्रचार के लिए भेजा गया। आजाद समाज पार्टी के चंद्रशेखर आजाद के खिलाफ नगीना में माहौल बनाने का आकाश का प्रसास भी विफल गया। आकाश के सरकार के खिलाफ उग्र तेवर ने जरूर दलित समय के युवाओं को आकर्षित किया, लेकिन सीतापुर में एफआईआर होते ही मायावती द्वारा उनकी रैलियों पर प्रतिबंध लगाना भी नुकसान के रूप में देखा जा रहा है। वहीं सोशल इंजीनियरिंग के सिंबल रहे सतीश मिश्रा को भी स्टार प्रचारक होने के बावजूद प्रचार में नहीं लगाया गया।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मुलाकात

नई दिल्ली में निर्वाचित सांसद किशोरी लाल शर्मा बुधवार को नई दिल्ली में 10 जनपथ पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पार्टी नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी से मुलाकात करते हुए।

राजग को उम्मीद से कम सीट मिलने के बाद भारतीय राजनीति में बाह्य कारक बन सकता है पाकिस्तान: शेरी रहमान

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) की एक वरिष्ठ नेता ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को आम चुनावों में उम्मीद से कम सीट मिलने के बाद पाकिस्तान भारतीय राजनीति में एक ''बाह्य'' कारक बन सकता है।

भारत में आम चुनावों के परिणाम घोषित होने के एक दिन बाद पाकिस्तानी सांसद शेरी रहमान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक बयान साझा कर पाकिस्तान एवं भारत के संबंधों और अन्य मुद्दों का जिक्र किया।

रहमान 2011 से 2013 तक अमेरिका में पाकिस्तान की राजदूत रही थीं। उन्होंने कहा, ''क्या मोदी को लगा झटका उन्हें क्षेत्र में स्थिरता लाने और पाकिस्तान के साथ शांति स्थापित करने पर थोड़ा और ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित करेगा? यह विमर्श में बड़े बदलाव पर निर्भर करेगा। हालांकि 'ब्रांड मोदी' कमजोर हुए है, लेकिन यह खत्म नहीं हुआ है।''

रहमान ने कहा, ''दरअसल, असल घरेलू नुकसान की भरपाई के लिए पाकिस्तान के प्रति (मोदी की) नीति एक 'बाह्य' कारक बन सकती है। पाकिस्तान के चुनाव में अब भारत का जितना जिक्र होता है, उसकी तुलना में मोदी के प्रचार अभियान में पाकिस्तान का जिक्र अधिक बार हुआ। ऐसा इस बात के बावजूद हुआ कि अब उनका ध्यान हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर केंद्रित है।''

पाकिस्तान और भारत के संबंध, विशेष रूप से कश्मीर के मामले और पाकिस्तान की ओर से सीमा पार आतंकवाद के कारण तनावपूर्ण रहे हैं।

चुनावों के बाद भारतीय राजनीति में आने वाले बदलाव का जिक्र करते हुए उन्होंने पूछा कि क्या इस चुनाव के बाद भारत में कोई व्यापक बदलाव आएगा। उन्होंने कहा, ''....यह कहना अभी जल्दबाजी होगी। अगले आने वाले विधानसभा चुनावों पर नजर रखनी चाहिए।''

पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो की अगुवाई वाली पीपीपी ने 'एक्स' के जरिये भारतीय चुनाव पर अपनी प्रतिक्रिया दी और कहा कि इस चुनाव ने दिखा दिया है कि भारत के लोगों ने नफरत की राजनीति को खारिज कर दिया है।

वैष्णो देवी मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को प्रसाद के रूप में मिलेंगे पौधे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के प्रमुख तीर्थस्थल माता वैष्णो देवी मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को अब प्रसाद के रूप में पौधा मिलेगा। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड (एसएमवीडीएसबी) ने बुधवार को यह जानकारी दी। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने एक नई पहल शुरू की है, जिसके तहत वे तीर्थयात्रियों को हाल में ही स्थापित नर्सरी 'वैष्णवी वाटिका' से पौधे भेंट करेंगे। बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अंशुल गर्ग ने बुधवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर माता वैष्णो देवी मंदिर के आधार शिविर कटरा में नर्सरी का शुभारंभ किया।

जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले की त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी गुफा मंदिर केंद्र शासित प्रदेश के सबसे पूजनीय स्थलों में से एक है, जहां प्रतिवर्ष करीब एक करोड़ श्रद्धालु दर्शन करने के लिए आते हैं। गर्ग ने जल संरक्षण, वनरोपण और जल शोधन के प्रयासों सहित पारिस्थितिक संरक्षण के लिए बोर्ड की सतत प्रतिबद्धता का भी उल्लेख किया।

अंशुल गर्ग ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''इस विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मैं सभी को बधाई देता हूं। बोर्ड ने पर्यावरण की रक्षा के लिए लगातार काम किया है, और यह नई पहल उसी दिशा में एक और कदम है। हम अपनी नर्सरी से प्रसाद के रूप में भक्तों को पौधे उपलब्ध करा रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि हाल ही में शुरू की गई इस नई नर्सरी में 40 प्रजातियों के पौधे हैं, जिसका उद्देश्य तीर्थयात्रियों के बीच पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि ये पौधे तीर्थयात्रियों को मामूली कीमतों पर उपलब्ध होंगे, और इसकी प्राप्ति के आधार पर परियोजना का विस्तार करने की योजना है। पुणे से आए श्रद्धालु नंदन कुमार ने पौधा मिलने पर खुशी जताते हुए कहा, ''प्रसाद के रूप में पौधा पाकर मैं बहुत खुश हूं। यह एक अद्भुत पहल है और माता की ओर से एक विशेष प्रसाद है।''

हिमाचल से लोकसभा के लिए चुनी जाने वाली कंगना चौथी महिला

शिमला/भाषा। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत हिमाचल प्रदेश से लोकसभा के लिए चुनी जाने वाली चौथी महिला हैं और ऐसी पहली महिला हैं जिनका संबंध भूतपूर्व शाही परिवार से नहीं है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उम्मीदवार कंगना ने कांग्रेस के अपने प्रतिद्वंद्वी एवं रामपुर रियासत के वंशज विक्रमादित्य सिंह को मंडी लोकसभा क्षेत्र से 74,755 वोट से पराजित किया है। सिंह प्रदेश में लोक निर्माण मंत्री भी हैं। इससे पहले देश की पहली स्वास्थ्य मंत्री और कपूरथला के तत्कालीन राजघराने से ताल्लुक रखने वाली राजकुमारी अमृत कौर 1952 में मंडी निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा के लिए चुनी गई थीं।जोधपुर के पूर्व राजघराने की चंद्रेश कुमारी 1984 में कांगड़ा सीट से जीती थीं। उनका विवाह हिमाचल में हुआ था।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं रामपुर के पूर्ववर्ती राजघराने से ताल्लुक रखने वाली प्रतिभा सिंह 2004, 2013 और 2021 में मंडी सीट जीत चुकी हैं।

कंगना मंडी सीट से निर्वाचित होने वाली तीसरी महिला हैं।

पूर्ववर्ती रियासतों के वंशजों ने मंडी से 19 में से 13 बार जीत हासिल की है, लेकिन इस बार लोगों ने 'क्वीन' फिल्म की अभिनेत्री कंगना को वोट दिया, जो राज्य में चुनाव लड़ने और जीतने वाली पहली फिल्मी हस्ती हैं।

इस बार लोकसभा सीट के लिए मैदान में उतरी तीन में से एक महिला ने जीत दर्ज की है। राज्य चुनाव विभाग के मुताबिक, हिमाचल प्रदेश के चार संसदीय क्षेत्रों में से कांगड़ा, मंडी और हमीरपुर में महिलाओं ने पुरुषों से अधिक मतदान किया।

सम्मान

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के साथ सभी 7 नवनिर्वाचित सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी (दक्षिणी दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र), मनोज तिवारी (उत्तर पूर्वी दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र), हर्ष मल्होत्रा (पूर्वी दिल्ली), बांसुरी स्वराज (नई दिल्ली), परवीन खंडेलवाल (चांदनी चौक), योगेन्द्र चंदोलिया (उत्तर पश्चिम दिल्ली) और कमलजीत बिधूड़ी (पश्चिम दिल्ली) बुधवार को नई दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन में।

विश्व के नेताओं ने लोकसभा चुनाव में राजग को मिली जीत पर मोदी को बधाई दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/यरुशलम/भाषा। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की सहित विश्व के कई नेताओं ने लोकसभा चुनाव में भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की जीत पर निवर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई दी है और उनके साथ मिलकर काम करने की इच्छा व्यक्त की है।

राजग को बहुमत मिलने के बाद मोदी लगातार तीसरी बार सरकार बनाने की ओर अग्रसर हैं।

मेलोनी ने 'एक्स' पर कहा, ''चुनाव में जीत पर नरेन्द्र मोदी को बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं। मुझे पूरा विश्वास है कि हम इटली और भारत की मित्रता को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करते रहेंगे तथा विभिन्न मुद्दों पर सहयोग को और मजबूत करेंगे।''

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भारत में आम चुनाव में भाजपा की जीत पर निवर्तमान प्रधानमंत्री मोदी को बधाई दी और उम्मीद जताई कि भारत-इजराइल संबंध ''नई ऊंचाई'' पर पहुंचेंगे।

नेतन्याहू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि मोदी को चुनाव में सफलता मिलने पर हार्दिक बधाई। उन्होंने कहा, ''भारत और इजराइल के बीच दोस्ती नई ऊंचाई की ओर बढ़ती रहे, यही कामना है। बधाई हो।''

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने भारत में दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक चुनावों के सफलतापूर्वक संपन्न होने का स्वागत किया।

उन्होंने कहा, ''भारत के संसदीय चुनाव में लगातार तीसरी जीत पर मोदी, भाजपा और भाजपा नीत राजग को बधाई। मैं भारत के लोगों के लिए शांति और समृद्धि की कामना करता हूं और हमारे देशों के बीच निरंतर सहयोग की उम्मीद करता हूं। हमारी साझेदारी निरंतर बढ़ती रहे।''

जेलेंस्की ने कहा, ''विश्व में हर कोई वैश्विक मामलों में भारत की भूमिका के महत्व को स्वीकार करता है।

ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने मोदी को बधाई दी और कहा, ''हम तेजी से बढ़ती 'ताइवान भारत साझेदारी' को बढ़ाने, व्यापार, प्रौद्योगिकी और अन्य क्षेत्रों में अपने सहयोग का विस्तार करने के लिए तत्पर हैं, ताकि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और समृद्धि का माहौल बनाने में मदद की जा सके।''

सनी लियोनी की नई फिल्म 'कोटेशन गैंग' का पहला पोस्टर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनत्री सनी लियोनी की नई फिल्म 'कोटेशन गैंग' का पहला पोस्टर रिलीज हो गया है। सनी लियोनी ने अपनी अपकमिंग तमिल फिल्म 'कोटेशन गैंग' का फर्स्ट लुक शेयर किया है। सनी लियोनी ने दो पोस्टर शेयर किए। इनमें उनका नया अवतार देखने को मिल रहा है, जिसे पहले कभी किसी ने नहीं देखा होगा। पहले पोस्टर में सनी, प्रियामणि के रोल में स्कर्ट के साथ चेक शर्ट पहने नजर आ रही हैं।वहीं दूसरे पोस्टर में उन्होंने को-एक्टर जैकी श्रॉफ की गर्दन को गुस्से में पकड़ा हुआ है।

सनी लियोनी ने पोस्ट को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, एक हाइपर-लिंक फिल्म जुलाई से सिनेमाघरों में!फिल्म 'कोटेशन गैंग' में सनी लियोनी एक हत्यारन की भूमिका में हैं, जो एक गिरोह की मुख्य सदस्य है। वो कॉन्ट्रैक्ट किलर है। उनका किरदार काफी क्रूर है, जो उनकी ग्लैमरस इमेज से बिलकुल अलग है। विवेक कुमार कन्नन फिल्म 'कोटेशन गैंग'को निर्देशित कर रहे हैं। इस फिल्म में सनी लियोनी के अलावा, सारा अर्जुन भी हैं। इसे गायत्री सुरेश और विवेक कुमार कन्नन ने प्रोड्यूस किया है।

फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' में नजर आएंगे अनिल कपूर !

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर, अजय देवगन की फिल्म दे दे प्यार दे 2 में काम करते नजर आ सकते हैं। वर्ष 2019 में अजय देवगन,रकुल प्रीत सिंह और तब्बू की फिल्म 'दे दे प्यार दे' प्रदर्शित हुयी थी। इस फिल्म को लोगों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था। अब इसके सीक्वल का ऐलान कर दिया गया है, जो अगले साल यानी 2025 में लाया जाएगा।फिल्म की कहानी वहीं से शुरू होगी, जहां पहला पार्ट खत्म हुआ था। मेकर्स ने स्क्रिप्ट में कुछ बदलाव किए हैं, वहीं फिल्म में नए एक्टर्स की एंट्री हुई है। अनिल कपूर इस फिल्म में काम करते नजर आ सकते हैं। बताया जा रहा है कि अजय देवगन की 'दे दे प्यार दे 2' की शूटिंग शुरू हो गई है।

हाल ही में रकुल प्रीत सिंह ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की। इसमें वह हाथों में स्क्रिप्ट लिए नजर आ रही हैं। रकुल ने तस्वीर के साथ लिखा,फेवरेट सेट पर वापसी हो गई है. दे दे प्यार दे 2 की शूटिंग शुरू।

भारतीय सिनेमा के लिए खास फिल्म होगी 'रंग दे बसंती' : प्रेमांशु सिंह

मुंबई/एजेन्सी

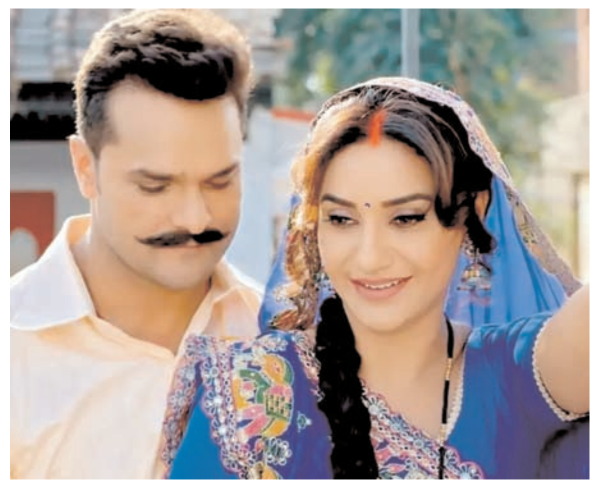

भोजपुरी फिल्म निर्माता प्रेमांशु सिंह ने दावा किया है कि उनकी आने वाली फिल्म रंग दे बसंती भोजपुरी ही नहीं, भारतीय सिनेमा के लिए भी खास फिल्म होगी। एसआरके म्यूजिक प्रस्तुत निर्माता रौशन सिंह और सुपर स्टार खेसारीलाल यादव की फिल्म रंग दे बसंती, 07 जून को प्रदर्शित होगी। इस फिल्म के निर्माता प्रेमांशु सिंह ने बताया है कि फिल्म रंग दे बसंती भोजपुरी ही नहीं, भारतीय सिनेमा के लिए खास है। उन्होंने कहा कि फिल्में यदि अच्छी बनेगी तो यह थियेटरों में चलेगी भी और अच्छा भी करेगी। इसका उदाहरण हमारी नई फिल्म रंग दे बसंती है, जो मल्टीप्लेक्स में भी रिलीज हो रही है। हमारी यह फिल्म बिहार, यूपी में अभी रिलीज हो रही है।

प्रेमांशु सिंह ने दावा किया कि भारत पाकिस्तान के संबंधों पर रंग दे बसंती एक अनूठी कहानी पर बनी फिल्म है, जिसके एंगल को अभी तक हिंदी फिल्मों में भी नहीं छुआ गया गया। भारतीय सिनेमा में बनने वाली यह अपने आप में रंग दे बसंती अलग फिल्म है। इस फिल्म में हमने कहानी से लेकर संगीत तक वर्ल्ड क्लास रखा है।

बॉलीवुड म्यूजिक इंडस्ट्री के दिग्गज इस फिल्म के गानों को समृद्ध बना रहे हैं। इस फिल्म का विजन बहुत बड़ा है। हमने फिल्म के लोकेशन पर बहुत वर्क किया है। अमूमन भोजपुरी फिल्मों लोकेशन पर काम कम देखने को मिलता है। लेकिन हमारी फिल्म में देखने को मिलेगी। कहानी में यदि कश्मीर की डिमांड थी तो हमने हड्डी जमा देने वाली ठंड में जाकर कश्मीर में फिल्म को शूट किया और वहीं आजम गढ़ के गांव की तपती दुपहरी में भी फिल्म की शूटिंग की है।

शूटिंग के दौरान भगवा की जरूरत थी, तो हम सच में अयोध्या गए और वहां जाकर फिल्म शूट किया। इस फिल्म में सब कुछ रीयल है और यह दर्शक महसूस भी करेंगे। यह फिल्म हर तरह से पारिवारिक और मनोरंजक फिल्म है। यह मेरे हिसाब से बेस्ट भोजपुरी फिल्म है। खेसारीलाल यादव के रति पांडेय और डायना खान की लाजवाब अदाकारी फिल्म में देखने को मिलेगी।

मैंने जो सपना देखा था, उसे पूरा करने में रौशन सिंह का पूरा साथ मिला। उनके बिना मैं यह फिल्म बना भी नहीं पाता।

फिल्म रंग दे बसंती महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार, झारखण्ड, दिल्ली, यूपी , पंजाब, उत्तराखंड, एम पी, छत्तीसगढ़, बंगाल, असम, उड़ीसा, तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटका, राजस्थान, जम्मू एंड कश्मीर और नेपाल में प्रमुखता से रिलीज होगी। फिल्म में खेसारीलाल यादव, अभिनेत्री रति पांडेय और डायना खान के साथ अमिताभ भट्टाचार्य, फिरोज खान और मास्टर ऋषभ यादव राज प्रेमी, मीर सरवर प्रमुख भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी मनोज कुशवाहा ने लिखी है। संगीतकार ओम झा है। गीतकार प्यारेलाल यादव ,अरविंद तिवारी, राकेश निराला, डॉ कृष्णा एन शर्मा और सत्य सावरकर हैं। डीओपी वासु, कोरियोग्राफर रिकी गुप्ता, कला राजीव शर्मा का है।

बाहर भी उसी तरह से सफाई रखें, जैसा आप घर में रखते हैं : पूजा हेगड़े

मुंबई/एजेन्सी

हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इस मौके पर एक्ट्रेस पूजा हेगड़े ने पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने के लिए अपनाए गए छोटे-छोटे बदलावों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि वह जब भी ट्रैवल करती हैं, तो वह अपनी कार में एक ऐसा बैग जरूर रखती हैं, जिसमें वह कचरा फेंक सकें। पूजा ने हाल ही में मुंबई के जुहू बीच पर समुद्र तट सफाई अभियान में हिस्सा लिया। उन्होंने बताया, अगर हम अपनी लाइफ में कुछ छोटे-छोटे कदम उठाएं तो हम समाज में बड़ा बदलाव देख सकते हैं। मैं जब भी ट्रैवल करती हूं, तो अपनी कार में हमेशा एक ऐसा बैग रखती हूं, जिसमें मैं कचरा फेंकती हूं। मैं सड़कों, समुद्र तटों या खुली जगहों पर चीजें नहीं फेंकती। मुझे लगता है कि अगर हम इन छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखे तो हम बड़ा बदलाव ला सकते हैं।'' एक्ट्रेस ने कहा, हमें चीजों को इधर-उधर नहीं फेंकना चाहिए। मुझे लगता है कि हमें संकल्प लेने की जरूरत है। हमें बाहर भी उसी तरह से सफाई रखनी चाहिए, जैसा हम अपने घर में रखते हैं। प्लास्टिक के कम से कम इस्तेमाल पर पूजा ने कहा, मुझे लगता है कि हम रीयूजेबल प्लास्टिक का इस्तेमाल कर सकते हैं, या फिर हम उसी प्लास्टिक बैग को फेंकने के बजाय दोबारा इस्तेमाल करने की कोशिश कर सकते हैं।एक्ट्रेस को पिछली बार फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' में देखा गया था। वह 'आचार्य', 'मोस्ट एलिजिबल बैचलर', 'अला वैकुंठपुरमुलू', 'महर्षि' जैसी तेलुगु फिल्मों और 'बीस्ट' और 'मुगामूडी' जैसी तमिल फिल्मों का हिस्सा रही हैं। एक्ट्रेस ने 'मोहनजोदड़ो', 'हाउसफुल 4', 'राधे श्याम' और 'सर्कस' जैसी हिंदी फिल्मों में भी काम किया हैं। उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की बात करें तो पूजा जल्द ही शाहिद कपूर स्टारर एक्शन थ्रिलर 'देवा' और तमिल फिल्म 'सूर्या 44' में नजर आएंगी।

लोकसभा चुनाव में कई फिल्मी सितारों ने जलवा बिखेरा

मुंबई/एजेन्सी

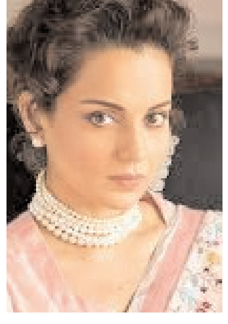

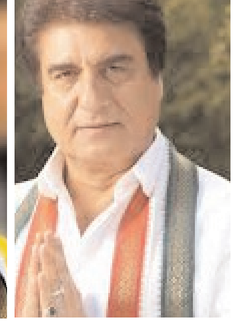

लोकसभा चुनाव 2024 में कई फिल्मी सितारों ने जलवा बिखेरा और जीत का परचम लहराया। लोकसभा चुनाव 2024 में कई सेलेब्स चुनावी मैदान में अपनी किस्मत आजमाने के लिए उतरे। इनमें बॉलीवुड से लेकर बंगला और भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के सितारों के नाम शामिल हैं। इनमें से बहुत से ऐसे सितारे हैं, सालों से राजनीति में सक्रिय हैं। और इस बार भी चुनावी मैदान में उतरे, वहीं कुछ ऐसे भी हैं जिन्होंने पहली बार चुनाव लड़ा हैं। इस लिस्ट में कंगना रनौत, अरूण गोविल समेत कई सेलेब्स के नाम शामिल हैं। देश की प्रमुख राजनीतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) , कांग्रेस , तृणमूल कांग्रेस के अलावा कई दलों ने इस बार के चुनाव में फिल्मी सितारों को चुनावी संग्राम में उतारा, इनमें से कई सितारों ने फिल्मी दुनिया के बाद राजनीति में भी शानदार शुरूआत की।

लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर फिल्मी गलियारों में काफी हलचल रही। कई शोबिज सितारे चुनावी मैदान में उतरे। बॉलीवुड की ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी, शत्रुध्न सिन्हा,कंगना रनौत, स्मृति इरानी,रवि किशन, मनोज तिवारी, राज बब्बर, दिनेश लाल यादव निरहुआ, पवन सिह, अरूण गोविल, सायोनी घोष, जून मोलिया, दीपक अधिकारी,शताब्दी रॉय,रचना बनजी,लॉकेट चटर्जी, महुआ मोइत्रा,मलयालम गायक सुरेश गोपी, गुंजन सिंह समेत कई प्रत्याशी चुनावी समर में उतरे। हेमा मालिनी, शत्रुध्न सिन्हा,कंगना रनौत, अरूण गोविल , रवि किशन, मनोज तिवारी ने चुनाव जीता जबकि स्मृति इरानी,राज बब्बर, निरहुआ, पवन सिह, गुंजन सिंह को हार का सामना करना पड़ा।हेमा मालिनी ने मथुरा, शत्रुध्न सिन्हा ने आसनसोल, कंगना रनौत ने मंडी, अरूण गोविल ने मेरठ, रवि किशन ने गोरखपुर, मनोज तिवारी ने (उत्तर-पूर्वी दिल्ली) से जीत हासिल की। स्मृति इरानी अमेठी, राज बब्बर गुरुग्राम, निरहुआ आजमगढ़, पवन सिंह काराकाट और गुंजन सिंह नवादा से हार गये।

इन सबके साथ अभिनेता और प्लेबैक सिंगर सुरेश गोपी ने केरल की त्रिशूर सीट, अभिनेत्री सायोनी घोष ने पश्चिम बंगाल के जाधवपुर ,बंगाली सिनेमा की अभिनेत्री शताब्दी रॉय ने पश्चिम बंगाल की बीरभूम से जीत हासिल की।बांग्ला एक्ट्रेस रचना बनर्जी ने पश्चिम बंगाल की हुगली सीट जीती है। वह तृणमूल कांग्रेस की तरफ से चुनाव में उतरी थीं।

उनके सामने एक्ट्रेस और राजनेता लॉकेट चटर्जी थीं।बंगाली सिनेमा में देव नाम से पहचाने जाने वाले एक्टर अधिकारी दीपक ने भी पश्चिम बंगाल की घाटाल सीट जीती है। टीएमसी प्रत्याशी महुआ मोइत्रा ने कृष्णानगर सीट और अभिनेत्री जून मोलिया ने मेदनीपुर सीट जीत ली है।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

अक्षय तृतीया का पवित्र दिन जैन धर्म के अनुसार इस युग के भिक्षा विधि के प्रारम्भ का दिन है। इस दिन भगवान ऋषभदेव के एक वर्ष से ऊपर की तपस्या का पारणा हुआ था। भगवान ऋषभ का तप अनुपमेय था। भगवान ऋषभ इस युग के प्रथम राजा कहलाए, प्रथम मुनि बने, प्रथम भिक्षुक कहलाए और प्रथम तीर्थंकर बने। भगवान ऋषभ का जीवन समग्रता लिए हुए था। जिन्होंने समाज के लिए भी अपना समय लगाया, लोगों को असि, मषि, कृषि का प्रशिक्षण दिया और बाद में साधना में लीन बने।

पौधारोपण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में एक्सनोरा इंटरनेशनल द्वारा हरित प्रदेश अभियान और बुधवार को विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण किया। अयनावरम् स्थित जिनकुशल सूरी जिनचन्द्र सूरी ट्रस्ट दादावाड़ी में मुनिश्री डॉ. वैभवरत्नविजयजी म.सा. की निश्रा में पौधारोपण किया गया। मुख्य अतिथि डॉक्टर के मुथू कुमार प्रोग्राम ऑफिसर डिपार्टमेंट ऑफ एनवायरमेंट एंड क्लाइमेट चेंज गवेनमेंट ऑफ तमिलनाडु ने पर्यावरण के विशेष गुणों की जानकारी विस्तार से दी। इस मौके पर एक्सनोरा के अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

श्रद्धा गहरी हो तो गुणों में अभिवृद्धि होती है : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

कलाडीपेट जैन संघ में धर्मसभा का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषि ने कलाडीपेट स्थानकवासी जैन संघ में प्रवचन में कहा कि जिनवाणी भव-भव से संचित आत्मविष को दूर कर अमृत रुपी रस देने वाली है। उन्होंने कहा भगवती सूत्र के दूसरे शतक में हंसधक परिव्राजक भगवान महावीर स्वामी के समवशरण में पहुंचे और पिंघला श्रावक द्वारा पूछे गए प्रश्नों का प्रभु के मुखारविंद से समाधान प्राप्त कर निर्ग्रन्थ वाणी पर श्रद्धा, प्रीति करते हुए सत्य को स्वीकार किया। क्षीरसागर के भेद जानने वाले हंस के समान हमारे विवेक को जागृत करना चाहिए। उन्होंने कहा अनेक मंजिल की इमारत बनाने के लिए गहरी नींव खोदी जाती है, ठीक उसी प्रकार श्रद्धा गहरी हो तो गुणों में अभिवृद्धि होती है। रुचि के अनुसार श्रद्धा के साथ श्रवण करते हुए आगे बढ़ें और जीवन में आत्मसात करें।

मुनि हितेंद्र ऋषि ने कहा कि 'श्रद्धा परम दुल्लाह' यानी श्रद्धा दृढ़ नहीं है, इसीलिए हमारी आत्मा निरंतर भटक रही है। श्रद्धा दृढ़ रहती तो मोक्षपुरी में टिकता। ठीक उसी प्रकार जैसे ज्योत में ज्योत बन लीन हो जाती है। उन्होंने कहा दही जामन का, किसान खेत में अनाज बोने का, डॉक्टर की सलाह का, कोर्ट में वकील का, दुकान में ताले पर जितनी श्रद्धा होती है, उतनी श्रद्धा धर्म पर होती तो भव सागर पार हो जाते। श्रद्धा से नवकार मंत्र का जाप अनंत कर्मों की निर्जरा करता है। चेलना रानी के साथ श्रेणिक राजा जैन बने, उनका अनाथि मुनि से मिलन हुआ। उनकी श्रद्धा अत्यंत दृढ़ थी। मिथ्यात्वी देव परीक्षा लेने आए, पर विफल रहे। उन्होंने कहा आप प्रियधर्मी के साथ हठधर्मी बनें, हटधर्मी नहीं। यदि आपके पास श्रद्धा है तो मोक्ष दूर नहीं। श्रद्धा नहीं है तो मोक्ष कोसों दूर है।

इस मौके पर श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ के सज्जनराज तालेड़ा ने सभी को आगामी चातुर्मास में महासंघ के साथ तन मन धन से सहभागी बनने का निवेदन किया। इस अवसर पर महासंघ के अध्यक्ष सुरेश लुनावत, यशवंत पुंगलिया एवं चेन्नई उपनगरों से आए कई गणमान्य उपस्थित थे। कलाडीपेट स्थानकवासी जैन संघ के महेंद्र कांकरिया ने सभी का स्वागत किया।

वृक्षारोपण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ईशा के कावेरी आह्वान अभियान के तहत पुडुचेरी में 1,50,00 पेड़ लगाए जाएंगे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नारा चैतन्य ने पहला पौधा लगाया और कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस वर्ष, ईशा के कावेरी आह्वान अभियान से पुडुचेरी में कृषि भूमि पर 150,000 पौधे लगाए जाएंगे। विश्व पर्यावरण दिवस से पहले दिन बुधवार को शुभारंभ कार्यक्रम हुआ। ईशा की कावेरी आह्वान पहल का लक्ष्य वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान तमिलनाडु और पुडुचेरी में 12.1 मिलियन पेड़ लगाना है।

पौध वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में बुधवार को विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर नगर पुलिस आयुक्त वी बालकृष्णन ने शहर के विभिन्न सर्कलों पर लोगों को पौधे वितरित किए। लगभग 500 से अधिक पौधे वितरित किए गए।

'गणगौर' द्वारा कैंसर जांच शिविर संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजस्थानी एसोसिएशन तमिलनाडु (रजत) की महिला इकाई गणगौर ने निशुल्क मौखिक, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर जांच शिविर का आयोजन वेपेरी स्थित अग्रवाल विद्यालय में 3 जून को किया गया। गणगौर की अध्यक्ष रेखा सिंघी ने सभी का स्वागत किया। अग्रवाल विद्यालय के प्रधानाचार्य पीवी सुब्बुलक्ष्मी का शाल एवं स्मृति चिन्ह द्वारा राजस्थानी अशोसिएशन तमिलनाडु के अध्यक्ष प्रवीण टाटिया एवं गणगौर की अध्यक्ष रेखा सिंधी ने किया। प्रधानाचार्य ने अग्रवाल विद्यालय के सभी महिला अध्यापिकाएं एवं महिला कर्मचारी को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी को अपना स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना चाहिए। गणगौर के कोऑर्डिनेटर विनोद जैन ने महिलाएं पूरे विश्व में मां के दर्जे से संबोधित की जाती है, और मां सदैव अपने से ऊपर अपने परिवार को, अपने आजू-बाजू के लोगों को, और समाज को रखते हैं। इन सभी भावों के कारण से वह अपने स्वास्थ्य का अल्प ध्यान रखते हैं। 35 वर्ष की आयु से ऊपर विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए और कहा कि आप स्वस्थ रहेंगे तो आप अधिक शक्तिशाली और ऊर्जावान के साथ-साथ करुणामय हृदय से अधिक कार्य कर पाएंगे। प्रवीण टाटिया ने रजत की गतिविधियों का उल्लेख करते हुए गणगौर जो की महिला इकाई गत 17 वर्षों से इस तरह के शिविरों का आयोजन करते आ रहा है और आगे भी कई इस तरीके की शिविर करते रहेंगे। इस शिविर में संपूर्ण आयोजन शालिनी अग्रवाल द्वारा किया गया और जैन मेडिकल रिलीफ सोसायटी के चिकित्सकों के सहयोग द्वारा लगभग 50 महिलाओं के परीक्षण किया गया।

जीतो द्वारा पर्यावरण दिवस पर 'धरती माता की गोद भराई'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। बुधवार को विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर जीतो मैसूरु द्वारा 'धरती माता की गोद भराई' कार्यक्रम के तहत पर्यावरण को शुद्ध एवं सुरक्षित रखने के लिए पौधा रोपण शिक्षकर गुरु भवन के प्रांगण में किया गया। यह वहीं जगह है जहां आचार्यश्री विमलसागरसूरीजी का चातुर्मास होने जा रहा है।

नए जैन चेरिटेबल ट्रस्ट की नए सार्वजनिक अस्पताल भी बनकर तैयार हो गया है। वहां 100 श्रीफल (नारियल) के झाड़ लगाने की स्वीकृति दी गई।

बुधवार को इस कार्यक्रम में जीतो मैसूरु चैप्टर चेयरमैन कांतिलाल चौहन उपाध्यक्ष महेन्दर कटारिया मुख्य सचिव गौतम सालेचा, खजांची विनोद बाकलीवाल सह खजांची नेमीचंद श्रीश्रीमाल, पीआरओ रमेश नौलखा, पूर्व चेयरमैन प्रवीण दांतेवाड़िया, पूर्व उपाध्यक्ष प्रकाश दक, जीतो यूथ विंग चेयमैन पुनीत जैन, यूथ विंग टीम जीतो लेडीज विंग चेयरमैन मोना भटेवरा, मुख्य सचिव रजनी डागलिया और लेडीज विंग की पूरी टीम के साथ श्री चातुर्मास समिति के संयोजक भवरलाल जैन, अशोककुमार जैन, भवरलाल लुंकड, नीलेश जैन, भोजराज जैन आदि उपस्थित थे। सभी का स्वागत कांतिलाल चौहान ने किया, विनोद बाकलीवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। गौतम सालेचा ने जीतो के आगामी कार्यक्रम की जानकारी दी।

'मेक योर मार्क' में सीखे खुद को ब्रांड बनाने के रहस्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां तेरापंथ युवक परिषद बेंगलूरु द्वारा मेक योर मार्क कार्यशाला का आयोजन गांधीनगर के तेरापंथ भवन में किया गया। व्यक्तित्व विकास कार्यशाला के अंतर्गत आयोजित इस कार्यशाला का शुभारंभ अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जयेश मेहता की अध्यक्षता में हुआ। तेयुप बेंगलूरु अध्यक्ष रजत बैद ने स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए परिषद द्वारा कृत कार्यों की संक्षिप्त जानकारी दी। उपाध्यक्ष मेहता ने समता, सम्मान एवं समानता के तीन गुण सदैव साथ में रखने की प्रेरणा दी। लगातार 12 घंटे चली इस कार्यशाला में प्रशिक्षक अरविंद मांडोत ने समय प्रबंधन, माइक्रो प्लानिंग एवं खुद का ब्रांड बनाने के गुर सिखाए।

प्रशिक्षिका बबीता रायसोनी ने व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यापारिक जीवन में संतुलन बनाने के तरीके समझाए। प्रशिक्षिकों ने वाणी संयम, मोबाइल संयम आदि के माध्यम से जीवन में परिवर्तन लाने की प्रेरणा दी। प्रतिभागियों को प्रायोगिक प्रशिक्षण के द्वारा भी जीवनोपयोगी बातें सिखाई गई। कार्यशाला में भाग लेने वाले 30 संभागियों ने कार्यशाला के अंतिम चरण में अपने आत्म विश्वास में निखार प्राप्त किया।

तेयुप बेंगलूरु के उपाध्यक्ष विवेक मरोठी एवं सह मंत्री संदीप चोपड़ा ने प्रशिक्षक अरविंद मांडोत, बबीता रायसोनी एवं प्रायोजक रमेश, प्रकाश सालेचा का परिषद की ओर से सम्मान किया। संयोजक रमेश सालेचा, सह संयोजक प्रतीक जोगड़ एवं जय कोठारी का इस कार्यशाला में सराहनीय श्रम नियोजित हुआ।

विश्व पर्यावरण दिवस मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में बुधवार को महावीर इंटरनेशनल चेन्नई नार्थ टाउन द्वारा नार्थ टाउन में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। प्लास्टिक को गुडवाय कहने के लिए चेयरमैन दीलखुशराज धोका, गवर्निंग काउंसिल सदस्य ज्ञानचंद कोठारी, सचिव रमेश नाहटा आदि की उपस्थिति में कपड़े की थैली 'मेरी सहेली' सब्जी विक्रेता के पास वितरित की। इस मौके पर वाइस चेयरमैन शांतिलाल चौधरी, विकास मरडिया, राजु बैद आदि ने सब्जी खरीदने आए सभी ग्राहकों को कपड़े की थैलियां बांटी।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हावेरी गदग लोकसभा सीट से विजयी हुए राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई को अनेक लोगों ने बधाई दी। बुधवार को बोम्मई का सम्मान सिध्दारुढ़ मठ ट्रस्ट कमिटी के पूर्व चैयरमेन महेन्द्र सिंघी, स्थानकवासी समाज हुब्बल्ली के कार्याध्यक्ष गौतम भुरट, समर्पण ग्रुप के निदेशक जयंती चौहान, लायंस क्लब ऑफ़ हुब्बल्ली परिवार के कार्यदर्शी संतोष पाटिल, अशोक गोयल, आनंद बूमरेड्डी, अल्पेश चौहान, जैन कॉन्फ्रेंस युवा शाखा के राष्ट्रीय युवा मंत्री सुभाषचंद्र डंक ने किया। एयर ग्रुप के प्रबंध निदेशक संजय घोड़वात ने भी फ़ोन पर बोम्मई पर चर्चा करते हुए बधाई दी। बोम्मई ने घोड़ावत से हुब्बल्ली से दिल्ली, मुंबई अहमदाबाद सहित अन्य शहरों को भी हुब्बल्ली से जोड़ने के लिए हवाई सेवाएं चालू करने के लिए कहा और इसके लिए बोम्मई ने उनको पूरा सहयोग प्रदान करने का वादा किया।

चुनावों के बीच न्यायाधीशों ने मूल्यों को सतत बनाए रखने की भावना को प्रदर्शित किया: चंद्रचूड़

ऑक्सफोर्ड/लंदन/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) ने डी.वाई. चंद्रचूड़ ने कहा कि चुनाव भारत के संवैधानिक लोकतंत्र का मूल आधार है, वहीं न्यायाधीश व्यवस्था की रक्षा करने वाले संवैधानिक मूल्यों को सतत बनाए रखने की भावना को प्रदर्शित करते हैं। सीजेआई चंद्रचूड़ मंगलवार को प्रतिष्ठित ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में, समाज में निर्णायकों की मानवीय भूमिका के विषय पर अपनी बात रख रहे थे। उन्होंने इस दौरान न्यायिक प्रणाली में अधिक पारदर्शिता लाने में प्रौद्योगिकी की भूमिका पर प्रकाश डाला। सोशल मीडिया पर न्यायाधीशों के खिलाफ की जाने वाली कुछ ''अनुचित'' आलोचनाओं को रेखांकित करते हुए भारत के प्रधान न्यायाधीश ने इस बात पर बल दिया कि प्रौद्योगिकी का समग्र प्रभाव न्यायपालिका को समाज के व्यापक वर्ग तक पहुंचने में मदद करना है।

उन्होंने भारत के आम चुनावों को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा, ''चुनाव संवैधानिक लोकतंत्र का मूल आधार है... भारत में न्यायाधीश निर्वाचित नहीं होते और इसका एक कारण यह भी है कि न्यायाधीश हालातों और संवैधानिक मूल्यों को सतत बनाए रखने की भावना को प्रदर्शित करते हैं।''

सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, ''लोकतंत्र में न्यायपालिका की महत्वपूर्ण भूमिका है, जिसमें हम परंपरा की भावना को प्रदर्शित करते हैं और साथ ही इस भावना को भी प्रदर्शित करते हैं कि एक अच्छे समाज का भविष्य कैसा होना चाहिए।'' निर्णय सुनाते समय उन्हें जिन राजनीतिक और सामाजिक दबाव का सामना करना पड़ा, उसके बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''न्यायाधीश के रूप में मेरे 24 वर्षों के कार्यकाल में मुझे कभी भी ''राजनीतिक दबाव'' का सामना नहीं करना पड़ा।

उन्होंने कहा, ''हमारा जीवन सरकार की राजनीतिक शाखा से बिल्कुल अलग है... लेकिन स्पष्ट रूप से न्यायाधीशों को अपने निर्णयों के व्यापक राजनीति पर पड़ने वाले प्रभाव से परिचित होना चाहिए। यह राजनीतिक दबाव नहीं है, बल्कि न्यायालय द्वारा किसी निर्णय के संभावित प्रभाव की समझ है।'' वहां मौजूद विद्यार्थियों ने सीजेआई चंद्रचूड़ से पिछले वर्ष उच्चतम न्यायालय की ओर से विशेष विवाह अधिनियम पर सुनाए गए फैसले के बारे में सवाल पूछा जिसमें भारत में समलैंगिक विवाह को वैध बनाने के खिलाफ फैसला सुनाया गया था।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.